उमड़ा आस्था का सैलाब...

रायपुर। भगवान शिव की आस्था में कलश धारण कर भक्ति से अभिभूत महिलाएं रविवार की शाम 4 बजे ओम नमः शिवाय का उच्चारण करते हुए निकलीं तो महादेवघाट में पुल के इस पार से दुर्ग जिले की सीमा यानी अम्लेश्वर में कथास्थल तक आस्था का सैलाब देखने लायक था। इसमें 25 हजार से ज्यादा भक्तों के बीच 10 हजार से ज्यादा महिलाएं कलश धारण किए आगे निकलीं। शिव महापुराण कथा से जोड़ने के लिए शिव-शक्ति सेवा समिति के मुख्य आयोजक पवन खंडेलवाल, विशाल और मोनू साहू ने पुख्ता इंतजाम किए थे। जैसे ही कथावाचक पं. प्रदीप मिश्रा पूजा-अर्चना कर मंदिर से बाहर निकले, भक्तों का सैलाब आगे बढ़ा। यह नजारा पहली बार शहर में देखने को मिला।

धुएं की शक्ल में कार्बन वायुमंडल से सोख रहा नमी, छत्तीसगढ़ बन रहा हीट आईलैंड

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

औसत दर्जे के कोयले और आउटडेटेड फर्नेस ऑयल के उपयोग से धुएं की शक्ल में वायुमंडल तक पहुंचने वाला कार्बन वातावरण की नमी को सोख रहा है, इसकी वजह से सूर्य की किरणें सीधी धरती पर पड़ रही हैं। इसी वजह से छत्तीसगढ़ हीट आईलैंड में तब्दील हो रहा है। दस साल पहले छत्तीसगढ़ का औसत तापमान मई के महीने में 40 डिग्री से कम होता था, जो अब बढ़कर 43-44 डिग्री तक पहुंच चुका है। पर्यावरणविद एवं यूएस से फुल ब्राइट फैलोशिप प्राप्त करने वाले रविवि के ⏭शेष पेज 11 पर

खास खबर

दस साल में औसतन तापमान 40 से बढ़कर 43-44 डिग्री हुआ

स्वास्थ्य पर भी असर

प्रो. शम्स परवेज के मुताबिक बढ़ती गर्मी का असर मानव स्वास्थ्य पर हो रहा है। गर्मी के दिनों में आने वाली पराबैंगनी किरणों के प्रभाव से कुछ समय से त्वचा से संबंधित बीमारियों की शिकायतें बढ़ रही हैं। नमी की मात्रा कम होने की वजह से लोग तेज धूप में डिहाईड्रेशन के शिकार हो रहे हैं। पर्यावरण विशेषज्ञ के अनुसार, औद्यौगिक क्षेत्रों से निकलने वाले धुएं और कार्बन की मात्रा में कमी लाने के लिए शासन स्तर पर प्रयास किए जाने की आवश्यकता है।

■ सूर्य की तपिश सीधे धरती पर, इसलिए लगातार बढ़ रही गर्मी

ऐसा हो रहा असर

1. पहले शहर में सौ से डेढ़ सौ फीट में पानी मिल जाता था, मगर बढ़ती गर्मी और वाष्पीकरण की वजह से भूमिगत जलस्त्रोत ढाई से तीन सौ फीट नीचे तक जा चुका है।
2. बढ़ती गर्मी और कार्बन की मौजूदगी का असर फसलों पर हो रहा है। उनकी गुणवत्ता कमजोर हो रही है और उत्पादन पर भी इसका असर देखने को मिल रहा है।
3. कार्बन उत्सर्जन की वजह से गर्मी के दिनों में वातावरण में नमी की मात्रा सामान्य परिस्थिति में पहले 30 प्रतिशत रहती थी, जो अब घटकर आधी हो चुकी है।

लगातार काटे जा रहे पेड़ कंक्रीटीकरण भी जिम्मेदार

इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कृषि मौसम विभागाध्यक्ष डॉ. राजेंद्र लेखपाल के मुताबिक पिछले दस-पंद्रह साल से लगातार गर्मी बढ़ रही है, इसका कारण पर्यावरण की अनदेखी है। शहरीकरण की वजह से कंक्रीटीकरण का बढ़ना और जंगलों का कम होना है। जिन स्थानों पर पेड़ होते हैं, वहां का तापमान कम होता है, मगर अब हरियाली कम हो रही है। वृक्षारोपण के लिए लगातार अभियान चलाया जाता है, मगर उनकी देखरेख पर ध्यान नहीं दिया जाता और सूख जाते हैं, जिसका परिणाम बढ़ती गर्मी के रूप में सामने आता है। उनके मुताबिक, बढ़ती गर्मी को नियंत्रित करने के लिए ज्यादा से ज्यादा पेड़ लगाने की आवश्यकता है।

» *छोटे स्टेशनों पर वाटर कूलर का टूटा दम, भीषण गर्मी में यात्रियों को ठंडा पानी भी नसीब नहीं*

» *हरिभूमि ने जांचा स्टेशन में नलों के पानी का तापमान, 105 से 115 डिग्री फारेनहाइट गर्म मिला पानी*

छोटा स्टेशन, बड़ी मुसीबत नलों से आ रहा उबला पानी

सरोना-कुम्हारी में पानी 45 डिग्री से भी ज्यादा गर्म

ललित राठौड़ ⏭ रायपुर

नौतपा में इन दिनों हवा, पानी के साथ पूरा शहर गर्म हो चुका है। स्टेशनों में यात्रियों को ठंडा पानी उपलब्ध कराने रेलवे ने वाटर कूलर लगाए हैं, लेकिन तेज गर्मी की वजह से नलों का भी दम निकल चुका है। नलों से गर्म, उबला पानी निकल रहा है, जिसका उपयोग यात्री पीने तो क्या, हाथ-मुंह धोने के लिए भी नहीं कर पा रहे हैं। आलम ये है कि यात्रियों को अब छोटे स्टेशनों पर भीषण गर्मी में ठंडा पानी नसीब नहीं हो रहा है। हरिभूमि टीम ने रविवार को शहर से जुड़े छोटे स्टेशनों के नलों के पानी के तापमान की पड़ताल की। सरोना और कुम्हारी में पानी का तापमान 110 से 115 डिग्री फारेनहाइट तक दर्ज किया गया, जिसे सामान्य व्यक्ति नहीं पी सकता है।

हरिभूमि लाइव

शहर का तापमान रविवार दोपहर में लगभग 40 डिग्री तक था, लेकिन उससे भी अधिक तापमान स्टेशनों के पानी का था। डिग्री सेल्सियस में नलों का पानी 43.33 से 45 तक दर्ज किया गया। एक्सपर्ट की मानें तो 110 फारेनहाइट का पानी का तापमान 'अपेक्षाकृत सुरक्षित' है, लेकिन तेज गर्मी में यह नुकसानदायक भी हो सकता है। बच्चे और युवा वर्ग इससे बीमार भी हो सकते हैं। स्टेशन के नलों के पानी का तापमान 30 डिग्री तक होता तो यात्री आसानी से इसे पी सकते थे।

ठंडा पानी पीने बोतल खरीदने की मजबूरी

रेलवे ने गर्मी में ठंडे पानी के लिए मुख्य स्टेशन के सभी प्लेटफार्म पर वाटर कूलर लगाए हैं। प्रत्येक प्लेटफार्म पर दर्जनभर से अधिक टोंटी लगाई गई हैं, लेकिन ठंडा पानी केवल वाटर कूलर में ही मिल रहा है, बाकी टोटियों से दोपहर के समय गर्म पानी निकल रहा है। ऐसे में यात्रियों को ठंडे पानी के लिए वेंडर से बोतल खरीदनी पड़ रही है। ट्रेनों के प्लेटफार्म पर पहुंचते ही यात्रियों की भीड़ पानी के लिए नल की ओर दौड़ पड़ती हैं। कुछ नलों में पानी के प्रेशर नहीं होने से यात्रियों को पानी भरने में काफी समय लग जाता है, सभी यात्री पानी भर नहीं पाते और ट्रेन चलने लगती है।

वाटर कूलर से भी सामान्य पानी

छोटे स्टेशनों पर रेलवे ने एक-एक वाटर कूलर लगाया है, जिससे ठंडा पानी नहीं निकल रहा। सामान्य ठंडे पानी से प्यास बुझानी पड़ रही है। सरस्वती नगर से लेकर सरोना और कुम्हारी तक यात्रियों को ठंडे पानी के लिए भारी मशक्कत करनी पड़ रही है। हर दिन दोपहर में नलों से पानी का तापमान 40 डिग्री से अधिक हो जाती है, जिसे प्यास भी नहीं बुझाई जा सकती है। फिर भी यात्री बोतल में पानी भर रहे हैं और पीने को मजबूर हैं।

केस 1 सरोना, प्लेटफार्म-2
समय- दोपहर 2 बजे

यहां नल से पानी के तापमान जांच की तो मीटर में 105 से 108 तक फारेनहाइट तक दर्ज किया गया, जो सेल्सियस 40 से 42 डिग्री तक होता है। प्लेटफार्म 2 पर 4 नल की चार टोटियों में से तेज गर्म पानी निकल रहा था। स्टेशन में एक वाटर कूलर है जिसमें भी सामान्य ठंडा पानी निकलता है। तेज गर्मी से यहां यात्री को राहत नहीं।

केस 2 कुम्हारी, प्लेटफार्म-2
समय- दोपहर 2.35 बजे

यहां नल का पानी 110 से 115 डिग्री फारेनहाइट तक दर्ज किया गया, एक मिनट तक नल चालू करने के बाद भी पानी बेहद गर्म रहा। सेल्सियस में यह पानी 45 से 50 डिग्री तक रहा, जिसका उपयोग पीने के लिए कर पाना बेहद मुश्किल था। यात्रियों ने बताया कि वाटर कूलर भी अच्छी तरह काम नहीं कर रहा है। स्टेशन में ठंडा पानी नसीब नहीं हो रहा।

जमीन धोखाधड़ी के मामले में चार साल से फरार कांग्रेसी नेता आसिफ गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

जमीन खरीदी में धोखाधड़ी के मामले में पुलिस ने चार साल से फरार चल रहे कांग्रेसी नेता आसिफ मेमन को मध्यप्रदेश के कान्हा से गिरफ्तार किया है। गौरतलब है कि जमीन धोखाधड़ी के मामले में कोर्ट के लगातार नोटिस के बाद भी आसिफ कोर्ट में अपनी उपस्थिति दर्ज नहीं करा रहा था। इसके बाद कोर्ट ने मेमन के खिलाफ गैरजमानती वारंट जारी किया था।

पुलिस के अनुसार आसिफ मेमन ने पंडरी निवासी नूर बेगम से उसके कचना स्थित ऐश्वर्या किंगडम के पास पौने दो एकड़ जमीन खरीदने तीन करोड़ नौ लाख 76 हजार रुपए में सौदा किया। जमीन खरीदने के पूर्व आसिफ ने कुछ रकम नूर बेगम को देने के बाद जमीन की रजिस्ट्री कराई। जमीन रजिस्ट्री कराने के बाद आसिफ ने नूर बेगम को सात चेक दिए, जो बैंक में बाउंस हो गए। इसके बाद नूर ने थाने में आसिफ के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। मामला कोर्ट तक पहुंचने के बाद आसिफ को न्यायाधीश ने ⏭शेष पेज 11 पर

■ आरोपी को पुलिस ने मध्यप्रदेश के कान्हा से भागते गिरफ्तार किया

रजिस्ट्री शून्य घोषित

गौरतलब है कि जमीन खरीदी में धोखाधड़ी मामले में कोर्ट ने पिछले वर्ष दिसंबर में आसिफ मेमन की रजिस्ट्री को शून्य घोषित कर नूर बेगम के पक्ष में फैसला सुनाया था। साथ ही कोर्ट ने आसिफ की गिरफ्तारी के आदेश दिया था। एएसपी सिटी लखन पटले के मुताबिक, आसिफ मेमन की बालाघाट में लोकेशन मिली थी। इसके बाद एसएसपी संतोष सिंह के निर्देश पर आरोपी को गिरफ्तार करने एक टीम गठित की गई। बालाघाट पहुंचने के बाद पुलिस को आसिफ के कान्हा में होने की जानकारी मिली। पुलिस आसिफ को गिरफ्तार करने पहुंची तो उसने चकमा देकर भागने की कोशिश की। तब पुलिस ने घेराबंदी कर उसे पकड़ा।

बिजली कनेक्शन पर खर्च कितना दफ्तर में सूची होगी चस्पा

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

प्रदेश में बिजली कनेक्शन लेने वाले उपभोक्ताओं से कई बार मनमाना शुल्क लेने की बात सामने आती है। कई बार उपभोक्ता दलालों के चक्कर में पड़कर ठगे भी जाते हैं। इसके पीछे का एक बड़ा कारण यह है, उपभोक्ता को इस बात की जानकारी ही नहीं रहती कि उनको बिजली कनेक्शन के लिए कितना शुल्क देना है, लेकिन अब बिजली नियामक आयोग ने छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर कंपनी को बिजली कनेक्शन के शुल्क की पूरी जानकारी हर डीसी सेंटर के साथ नगर निगम, नगरपालिका, गांवों की पंचायत तक में लगाने के निर्देश दिए हैं। ऐसा होने से कोई अधिकारी किसी उपभोक्ता से ज्यादा शुल्क नहीं ले सकेगा। ⏭शेष पेज 11 पर

■ बिजली नियामक आयोग का निर्देश, ज्यादा पैसे लेने वाले अधिकारियों पर गिरेजी गाज

कितने किलोवाट पर कितना शुल्क

आमतौर पर घरेलू उपभोक्ता एक से तीन किलोवाट तक का ही कनेक्शन लेते हैं। वैसे अब यह भी नियम हो गया है कि एक किलोवाट का कनेक्शन लेने के बाद अगर लोड ज्यादा हो जाता है तो उपभोक्ता के बिल में पैसे जुड़कर आ जाते हैं और उनका लोड बढ़ जाता है। एक किलोवाट कनेक्शन के लिए 2112 रुपए लगते हैं। इसमें प्रोसेसिंग शुल्क 200, सर्विस कनेक्शन शुल्क 590, सुरक्षा निधि 850, सप्लाई अफोर्डिंग शुल्क 472 रुपए है। इसी तरह से दो किलोवाट का 3906 रुपए, इसमें प्रोसेसिंग शुल्क 200, सर्विस कनेक्शन शुल्क 590, सुरक्षा निधि 1700, सप्लाई ⏭शेष पेज 11 पर

दो दिन कचरा नहीं उठाया, रामकी कंपनी पर 7 लाख रुपए जुर्माना

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

नगर निगम प्रशासन ने शहर की सफाई का ठेका लेने वाली एजेंसी रामकी कंपनी पर 7 लाख की पेनाल्टी लगाई है। डोर-टू-डोर कचरा कलेक्शन करने वाले सफाई मित्रों की दो दिन चली हड़ताल से शहर में कचरा नहीं उठने पर यह पेनाल्टी लगाई गई है। साथ ही निगम आयुक्त अबिनाश मिश्रा ने इस प्रकार की स्थिति से निपटने के लिए रामकी कंपनी को 100 अतिरिक्त ड्राइवर आपाति स्थिति में रखने की हिदायत दी है। दरअसल 20 मई को राजधानी के ठक्कर बापा वार्ड स्थित गुढ़ियारी के मुर्राभट्ठी इलाके में डोर-टू-डोर कचरा कलेक्शन के लिए ⏭शेष पेज 11 पर

■ ठेका एजेंसी को आपात स्थिति में 100 ड्राइवर तैयार रखने कहा

रामकी के सफाई बिल से काटी जाएगी पेनाल्टी

स्वच्छ भारत मिशन के नोडल अधिकारी रघुमणि प्रधान ने बताया, रामकी एजेंसी के सफाई बिल में निगम आयुक्त के निर्देश पर 7 लाख की पेनाल्टी काटी जाएगी। टेंडर की शर्त के अनुसार प्रति घर 3 रुपए के हिसाब से जुर्माना अधिरोपित करने का आदेश मिला है। साथ ही आने वाले दिनों में इस तरह की स्थिति निर्मित न हो, इसके लिए आपात स्थिति में रामकी कंपनी को 100 ड्राइवर अलग से तैयार रखने कहा गया है।

आज सुबह की उड़ान स्थगित, शाम पर संशय

तूफान ने रोकी फ्लाइट, रायपुर की दो रद्द

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

चक्रवाती तूफान रेमल के प्रभाव से शाम के शेड्यूल में कोलकाता से रायपुर आने वाली दो फ्लाइट का संचालन नहीं हुआ। सोमवार की सुबह की उड़ान स्थगित रहेगी और शाम की फ्लाइट पर संशय की स्थिति बनी हुई है। तूफान को ध्यान में रखते हुए एहतियात के तौर पर कोलकाता एयरपोर्ट को बंद रखा गया है।

जानकारी के अनुसार चक्रवाती तूफान के बांग्लादेश और पश्चिम बंगाल के तट पर टकराने की संभावना तथा उसके असर को देखते हुए रविवार दोपहर 12 बजे से कोलकाता विमानतल को बंद रखा गया है। वहां से संचालित होने वाली तमाम राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय उड़ानों को स्थगित किया गया है। रायपुर के स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट और कोलकाता के बीच इंडिगो एयरलाइंस द्वारा तीन उड़ानों का संचालन नियमित किया जाता है।

रविवार को सुबह 8 बजे वाली फ्लाइट अपने निर्धारित समय पर रायपुर पहुंची। इसके बाद शाम के शेड्यूल में शाम साढ़े छह बजे और रात 8.45 बजे रायपुर आने वाले फ्लाइट को कैंसिल कर दिया गया। इसके अलावा एहतियात के तौर पर सोमवार की सुबह 8 बजे की उड़ान को रद्द कर दिया गया है। सोमवार की शाम की फ्लाइट संचालित होगी अथवा नहीं, इस पर तूफान के असर को देखते हुए फैसला लिया जाएगा।

यात्रियों को भेजा मैसेज

फ्लाइट कैंसिल किए जाने की जानकारी संबंधित एयरलाइंस कंपनी द्वारा विमान यात्रियों को मैसेज के माध्यम से दी गई थी। साथ ही उनके रिफंड की व्यवस्था भी की गई है। रायपुर से कोलकाता के लिए संचालित होने वाली फ्लाइट का किराया पांच से सात हजार के बीच रहता है।

पाठक सूचना
हरिभूमि के सुधि पाठकों को
अखबार की प्रतियां नहीं मिल रही हो या अन्य अखबार दिया जा रहा हो तो हमें निम्न नंबर पर संपर्क करें या वाट्सअप करें
9827555678, 8224868411

सर्व हिन्दू सनातन संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं
भाजपा किसान नेता

श्री योगेश तिवारी जी

को जन्मदिन की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

27 मई

जीवेत शरदः शतम्!

प्रतिभावान निःशक्त जनों का सम्मान समारोह

मुख्य अतिथि
मा. श्री बृजमोहन अग्रवाल जी
मंत्री, छ.ग. शासन

अध्यक्षता
मा. श्री दयालदास बघेल
मंत्री, छ.ग. शासन

विशेष अतिथि

मा. श्री राजेश मूणत जी
विधायक, रायपुर पश्चिम

मा. श्री मोतीलाल साहू जी
विधायक, रायपुर ग्रामीण

मा. श्री पुरन्दर मिश्रा जी
विधायक, रायपुर उत्तर

मा. श्री संजय श्रीवास्तव जी
भाजपा प्रदेश महामंत्री

मा. श्री रामू रोहरा जी
भाजपा प्रदेश महामंत्री

मा. श्री देवजी पटेल
पूर्व विधायक

मा. श्री प्रमोद शर्मा जी
पूर्व विधायक, बलोदाबाज़ार

मा. श्री जयंती पटेल जी
रायपुर जिला अध्यक्ष

मा. श्री अशोक चतुर्वेदी जी
संगठन प्रभारी, सहिससं

समय : दोपहर 2 बजे | स्थान:शहीद स्मारक भवन, रायपुर (छ.ग.)

खबर संक्षेप

बढ़ते अपराध के विरोध में विधायक का पुतला दहन

रायपुर। ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र में लगातार महिलाओं के साथ अत्याचार, हत्या, चोरी, लूटपाट, छेड़खानी, अवैध जमीन कब्जे के विरोध में रायपुर ग्रामीण विधानसभा युवा कांग्रेस ने भाजपा विधायक मोतीलाल साहू का पुतला दहन किया। ग्रामीण विधानसभा युवा कांग्रेस के अध्यक्ष तीरथ साहू ने कहा, जबसे भाजपा की सरकार आई है, पूरे क्षेत्र में अवैध जमीन कब्जा, चाकूबाजी, चोरी, महिलाओं के साथ छेड़छाड़, चेन स्नेचिंग जैसी वारदातें लगातार हो रही हैं। पुलिस प्रशासन और विधायक मोतीलाल साहू चुप्पी साधे हुए हैं, जिसके विरोध में रविवार को सीटी बजाकर विधायक का ध्यान आकर्षित कराया और उनका पुतला दहन किया गया।

तीन दिवसीय उर्स पाक शुरू

रायपुर। हजरत सैय्यद चांद शाह वली रहमतुल्लाह अलैह तीन मजार नाके वाले बाबा का उर्स पाक 26, 27 और 28 मई को बड़े ही शानो-शौकत से मनाया जा रहा ह। रविवार को शाम 4 बजे असर की नमाज के बाद आस्ताने से संदल चादर निकाली गई, जो शहर का गश्त करते हुए मजार शरीफ पहुंची। बाद नमाज मगरिब चादरपोशी की रस्म अदा की गई। दुआ-खैर के बाद तबरुक तकसीम किया गया। इसी दिन बाद नमाज ईशा इमरान अशरफी साहब और कारी मोहम्मद तौकीर मियां जामई और अन्य उलेमाओं की तकरीर हुई। मजार के शेख रहीम, शेख शमीम और शेख निजाम ने बताया कि सोमवार को मगरिब की नमाज के बाद न्याल बंधुओं की कव्वाली और समा महफिल का प्रोग्राम रखा गया है।

निधन

द्रौपदी तिवारी

रायपुर। जुलुम निवासी द्रौपदी तिवारी (95) का 26 मई को निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार महादेवघाट श्मशानघाट में किया गया। वे रमाकांत, चंद्रकांत, श्रीकांत तिवारी की माता थीं।

जयंत किन्हेकर

रायपुर। कर्मचारी नगर दुर्ग निवासी जयंत किन्हेकर (78) का 25 मई को निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार 26 मई को शिवनाथ नदी मुक्तिधाम में किया गया।

चंदर अरोरा

रायपुर। शैलेंद्र नगर निवासी चंदर अरोरा का 26 मई को निधन हो गया। उनकी अंतिम यात्रा 27 मई को निवास स्थान से मारवाड़ी श्मशानघाट के लिए निकलेगी। वे हरीश, नीलम के भाई एवं कृष्णा व पूर्णिमा के पिता थे।

नीलामी से बचे 240 अहातों पर आज फैसला, कलेक्टर चुनेंगे लायसेंसी

हरिभूमि न्यूज ▸▸ रायपुर

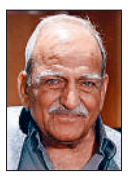

छत्तीसगढ़ में देशी और अंग्रेजी शराब दुकानों के ऐसे अहाते, जो पहली बार में नीलाम नहीं हो पाए थे, अब सोमवार को ऐसे 240 अहातों की नीलामी होगी। बताया गया है कि संबंधित जिलों के कलेक्टर अपने-अपने जिलों की बचे अहातों के लिए लायसेंसधारियों का चयन करेंगे। खास बात ये है कि अहातों की नीलामी से सरकार को सौ करोड़ रुपए से अधिक राजस्व मिलने की संभावना है।

अलग खबर

राज्य में देशी-अंग्रेजी शराब दुकानों के पास बने अहातों में शराब खरीदने वालों को पीने की सुविधा देने पहली बार ऑनलाइन नीलामी की जा रही है। सरकार ने कुछ दिनों पहले अहातों की नीलामी की थी, लेकिन कई जिलों में जिन लोगों ने बोली लगाई थी, बाद में वे पीछे हट गए। कुछ जिलों में अहातों की नीलामी नहीं हो पाई थी। अब सरकार द्वारा बचे हुए 240 अहातों की ऑनलाइन नीलामी सोमवार 27 तारीख को की जाएगी।

राज्य सरकार को मिलेगा अहातों से 100 करोड़ का राजस्व

इन जिलों में बचे हैं अहाते

आबकारी विभाग के मुताबिक पहले दौर की नीलमी के बाद राज्य के अलग-अलग जिलों में शेष बचे अहातों की नीलामी की जा रही है। जिन जिलों में यह नीलामी होनी है, उनमें रायपुर, दुर्ग, राजनांदगांव, धमतरी, महासमुंद, कबीरधाम, कांकेर, बीजापुर, बिलासपुर, कोरबा, जांजगीर-चांपा, रायगढ़, जशपुर, सरगुजा, बलौदाबाजार-भाटापारा, बालोद, मुंगेली, बलरामपुर-रामानुजगंज, सूरजपुर, कोंडागांव, सुकमा, सक्ती, सारंगढ़-बिलाईगढ़, खैरागढ़-छुईखदान-गंडई, मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी शामिल हैं।

कलेक्टर आज करेंगे चयन

बाकी बचे अहातों के संबंध में आबकारी आयुक्त कार्यालय द्वारा जारी सूचना में कहा गया है कि इसके लिए 24 मई शाम तक ऑनलाइन निविदा आमंत्रित की गई थी। इस अवधि में निविदा ऑनलाइन माध्यम से ली गई। ऑनलाइन पद्धति से प्राप्त निविदाओं में से अनुज्ञप्तिधारियों का चयन संबंधित जिलों के कलेक्ट्रेट कार्यालय में कलेक्टर द्वारा 27 मई को सुबह 11 बजे से किया जाएगा।

यात्री ढो रहे मालवाहक 25 के खिलाफ कार्रवाई

रायपुर। मालवाहक वाहनों का इस्तेमाल यात्री गाड़ी के रूप में करने से आए दिन हो रहे हादसों को देखते हुए परिवहन विभाग पिछले चार दिनों से अभियान चलाकर कार्रवाई कर रहा है। परिवहन विभाग की फ्लाइंग स्क्वाड टीम ने 21 मई से अभियान चलाकर सवारी ढो रहे 25 से ज्यादा मालवाहकों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 93 हजार रुपए जुर्माना वसूला है। साथ ही चालकों को माल वाहक वाहनों में सवारी नहीं बैठाने के निर्देश दिए हैं।

गौरतलब है कि मालवाहक वाहनों में सवारी ढोने को लेकर हरिभूमि ने एक्सीडेंट होने की चेतावनी देते हुए खबर प्रकाशित की थी। खबर प्रकाशन के बाद भी संबंधित विभाग द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की गई, जिसके फलस्वरूप कवर्धा में मालवाहक वाहन से लौट रहे दो दर्जन से ज्यादा महिला श्रमिकों की वाहन पलटने से मौत हो गई थी। घटना की गंभीरता को देखते हुए रायपुर कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह के निर्देश पर रायपुर आरटीओ आशीष सिंह के मार्गदर्शन में सवारी ढोने वाले मालवाहक वाहनों के खिलाफ कार्रवाई शुरू की गई।

धोबी समाज का महाधिवेशन 9 जून को, मुख्यमंत्री को न्योता

रायपुर। धोबी समाज द्वारा रायगढ़ स्थित बोईर दादर में 9 जून को महाधिवेशन का आयोजन किया जा रहा है। इस कार्यक्रम के संबंध में धोबी समाज के पदाधिकारियों ने प्रदेशाध्यक्ष सूरज निर्मलकर के साथ मुख्यमंत्री निवास पहुंचकर शनिवार को मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से मुलाकात की। साथ ही मुख्यमंत्री को बतौर मुख्य अतिथि आमंत्रित किया। राजधानी के प्रादेशिक प्रवक्ता गंगा-अमन निर्मलकर ने बताया कि समाज ने रायगढ़ के विधायक वित्त मंत्री ओपी चौधरी, समाज के प्रदेशाध्यक्ष सूरज निर्मलकर, मुख्यमंत्री के निजी सचिव तुलसी कौशिक एवं समस्त जिला अध्यक्ष परिक्षेत्रीय अध्यक्ष को भी आमंत्रित करने की जानकारी दी है। इस आयोजन की सफलता के लिए जागृति लाएं। मुलाकात करने वालों में रायगढ़ के जिलाध्यक्ष अवधेश सोन, सारंगढ़ अध्यक्ष एसी सोनवानी, फुलेश्वर बरेठ, पवन निर्मलकर, ललित बरेठ, रोशन निर्मलकर, प्रभात सोनक्षत्र, भूपेंद्र बरेठ, संजीत बरेठ, चंद्रमणि बरेठ सहित 133 पदाधिकारी शामिल थे।

रायपुर-बिरगांव निगम का बीपीसीएल से एमओयू

सीबीजी प्लांट पर सौ करोड़ निवेश की योजना, जमीन तय

हरिभूमि न्यूज ▸▸ रायपुर

अब रायपुर और बिरगांव नगर निगम को मिलने वाले ठोस अपशिष्ट के निदान को लेकर कारगर पहल होने वाली है। इसके लिए सरकार से एमओयू के बाद रायपुर निगम आयुक्त ने बिरगांव निगम सीमा में ट्रांसपोर्ट नगर के पीछे करीब 20 एकड़ जमीन का चिन्हांकन किया है। इसे लीज पर भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड को दिया जाएगा। इसके बाद कम्प्रेस्ड बायो गैस संयंत्र लगाने पर 100 करोड़ का निवेश बीपीसीएल करेगा।

- बीपीसीएल को संयंत्र लगाने रावांभाठा में जमीन चिन्हांकित, बनेगी डिटेल फिजिबिलिटी रिपोर्ट

राजधानी में दो निगम के बीच सीबीजी प्लांट लगाने की तैयारी शुरू हो गई है। निगम सूत्रों ने बताया कि रायपुर-भिलाई में कम्प्रेस्ड बायोगैस संयंत्र स्थापित किया जाएगा। इन दोनों संयंत्रों में भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड करीब 100 करोड़ रुपए का निवेश करेगा। सरकार के साथ मार्च 2024 में ही सीएम आवास में बीपीसीएल के साथ प्रारंभिक समझौते पर हस्ताक्षर हुए हैं। सरकार ने इस प्रोजेक्ट को पूरा करने में हरसंभव सहयोग का भरोसा दिया है। इसके मद्देनजर रायपुर निगम प्रशासन ने शहर के पानी को फिल्टर करने के लिए वर्षों पहले बनाए गए प्रोजेक्ट के लिए तय जमीन को अब लीज पर देने की प्रक्रिया शुरू की है। इसके पहले सीबीजी संयंत्र लगाने के लिए त्रिपक्षीय समझौते पर हस्ताक्षर हुए। बीपीसीएल के साथ ही छत्तीसगढ़ जैव ईंधन विकास प्राधिकरण (सीबीडीए) व रायपुर और भिलाई निगम के बीच एमओयू हुआ है। इसके लिए अभी डिटेल फिजिब्लिटी रिपोर्ट बनाई जाएगी। इसके बाद प्रोजेक्ट पर काम शुरू होगा।

प्लांट की क्षमता होगी 100-150 टन

समझौते के तहत एक केंद्रीय सार्वजनिक उपक्रम बीपीसीएल करीब 100 करोड़ के निवेश के साथ रायपुर और भिलाई में सीबीजी प्लांट लगाएगा। हर संयंत्र की क्षमता 100-150 टन प्रतिदिन होगी। इस त्रिपक्षीय एमओयू में छत्तीसगढ़ जैव ईंधन विकास प्राधिकरण के मुख्य कार्यकारी अधिकारी, बीपीसीएल और रायपुर निगम आयुक्त और भिलाई निगम आयुक्त ने सहमति दी है। बिरगांव निगम सीमा में ट्रांसपोर्ट नगर के पीछे खाली जमीन रायपुर निगम ने प्लांट लगाने के लिए चिन्हांकित की है। जहां प्लांट लगाने की प्रक्रिया शुरू होगी। दोनों निगम के बीच जगह तय करने से यहां ठोस अपशिष्ट आसानी से मिलेंगे।

250 मीट्रिक टन कचरे का उपयोग

रायपुर व भिलाई के सीबीजी संयंत्रों में जैव ईंधन के उत्पादन में प्रतिदिन 200-250 मीट्रिक टन ठोस कचरे का उपयोग किया जाएगा। इन संयंत्रों से हर साल प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से 60 हजार युवाओं को रोजगार के अवसर मिलेंगे। हर साल करीब 45 लाख रुपए जीएसटी मिलेगा। कम्प्रेस्ड बायोगैस संयंत्र में पूरी क्षमता से उत्पादन और बिक्री पर फोकस किया जाएगा। इन दोनों संयंत्रों से जैविक खाद भी प्राप्त होगी। इससे जैविक खेती को भी बढ़ावा मिलेगा। स्वच्छ शहर, स्वच्छ ऊर्जा की दिशा में सरकार अग्रसर हो रही है। रायपुर व बिरगांव निगम इस प्रोजेक्ट में पूर्ण सहयोग व संसाधन देने वाले हैं।

ये है कम्प्रेस्ड बायोगैस

कम्प्रेस्ड बायोगैस (सीबीजी) एनारोबिक सड़न की प्रक्रिया के माध्यम से अपशिष्ट जैसे कृषि अवशेष, मवेशी गोबर, गन्ना निचोड़ से प्राप्त कचरा, नगर निगम को प्राप्त होने वाले ठोस अपशिष्ट का इस्तेमाल किया जाता है। शुद्धिकरण के बाद इसे उपयोगी बनाया जाता है। इसे ही कम्प्रेस्ड बायोगैस भी कहा जाता है। कम्प्रेस्ड बायोगैस उप प्राकृतिक गैस के समान है, जो सीएनजी के समान वैकल्पिक मोटर वाहन ईंधन को रूप में उपयोग किया जा सकता है। बायोगैस की खपत को देखते हुए सीबीजी का उपयोग निगम प्रशासन द्वारा अपने वाहनों के परिचालन में उपयोग किया जाएगा, इससे ईंधन के खर्च में भी कमी आएगी।

संयंत्र लगाने रावांभाठा में जमीन

रावांभाठा स्थित ट्रांसपोर्ट नगर के पीछे जमीन का चिन्हांकन किया गया है। इसे भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड को लीज पर दिया जाएगा। इसके लिए त्रिपक्षीय एमओयू हुआ है। इससे मिलने वाले गैस का इस्तेमाल भी किया जाएगा। अभी इसके लिए प्रारंभिक प्रक्रिया की जा रही है।

- अबिनाश मिश्रा, आयुक्त, ननि रायपुर

पेज 09 के शेष ...

धुएं की शक्ल में...

प्रो. शम्स परवेज ने कुछ साल पहले छत्तीसगढ़ में बढ़ती गर्मी पर स्टडी की थी और इसके लिए वायुमंडल में बढ़ती कार्बन की मात्रा को जिम्मेदार पाया था। उन्होंने बताया कि वातावरण से लगातार नमी की मात्रा कम हो रही है, जिसकी वजह से तापमान में लगातार वृद्धि हो रही है। इसकी वजह फैक्ट्रियों में लो-क्वालिटी के कोयले और कालातीत फर्नेस का उपयोग है। इनके अपूर्ण दहन से निकलने वाले कार्बन वायुमंडल में लगातार बढ़कर मौजूद आर्द्रता की मात्रा को कम कर रहे हैं, इससे सूर्य से निकलने वाली किरणें सीधे धरती तक पहुंच रही हैं, इससे जल का वाष्पन अधिक मात्रा में हो रहा है और तापमान के साथ गर्मी भी बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि दुर्ग-भिलाई के रोजाना 61 प्रतिशत और रायपुर जिले से 58 प्रतिशत कार्बन का उत्सर्जन हो रहा है, जो छत्तीसगढ़ को हीट आईलैंड में तब्दील कर रहा है। उनके मुताबिक राज्य निर्माण के पहले ऐसी स्थिति नहीं थी और गर्मी ज्यादा असर नहीं दिखाती थी, मगर औद्योगिक विकास के बाद धुएं की शक्ल में कार्बन का उत्सर्जन बढ़ गया, जिसके विभिन्न दुष्परिणाम सामने आ रहे हैं।

जमीन धोखाधड़ी के...

कोर्ट में हाजिर होने कई नोटिस जारी किए। बावजूद इसके आसिफ कोर्ट में उपस्थित नहीं हुआ। इसके बाद कोर्ट ने आसिफ के खिलाफ गैरजमानती वारंट जारी किया।

बिजली कनेक्शन पर...

इसी के साथ अगर किसी अधिकारी या फिर बिजली कर्मचारी द्वारा कनेक्शन के नाम पर ज्यादा पैसे लेने की शिकायत मिलती है तो उस पर कार्रवाई भी होगी। घरेलू, गैर घरेलू, कृषि से लेकर उद्योगों तक के बिजली कनेक्शन के लिए किलोवॉट के हिसाब से शुल्क तय है, लेकिन इसकी जानकारी किसी भी बिजली दफ्तर में लिखी नहीं रहती है। उपभोक्ता जब कनेक्शन लेने जाते हैं तो उसको अलग-अलग जानकारी दी जाती है। उपभोक्ताओं को कई तरह का शुल्क बता दिया जाता है, लेकिन जब उनको रसीद देने की बारी आती है तो पूरी रसीद नहीं मिलती है, लेकिन कनेक्शन लेने के कारण उपभोक्ता कुछ बोल नहीं पाते हैं। अब ऐसा चलने वाला नहीं है, क्योंकि बिजली नियामक आयोग ने इस तरह की मनमानी पर लगाम लगाने का काम किया है।

कितने किलोवाट पर...

अफोर्डिंग शुल्क 1416 रुपए है। तीन किलोवाट सिंगल फेज का 5700 रुपए, इसमें प्रोसेसिंग शुल्क 200, सर्विस कनेक्शन शुल्क 590, सुरक्षा निधि 2550, सप्लाई अफोर्डिंग शुल्क 2360 रुपए है। चार किलोवाट का 7497 रुपए, इसमें प्रोसेसिंग शुल्क 200, सर्विस कनेक्शन शुल्क 590, सुरक्षा निधि 3400, सप्लाई अफोर्डिंग शुल्क 3304 रुपए है। पांच किलोवाट का 9288 रुपए, इनमें प्रोसेसिंग शुल्क 200, सर्विस कनेक्शन शुल्क 590, सुरक्षा निधि 4250 सप्लाई अफोर्डिंग शुल्क 4248 रुपए है। इसी तरह से थ्री फेज के लिए 9731 रुपए लगते हैं। इसमें प्रोसेसिंग शुल्क 200, सर्विस कनेक्शन शुल्क 1033, सुरक्षा निधि 4250, सप्लाई अफोर्डिंग शुल्क 4248 रुपए है।

दो दिन कचरा नहीं...

निकले सफाई मित्र आसकरण कोसले से मोनू साहू द्वारा दुर्व्यवहार और मारपीट की गई। इस घटना से नाराज होकर रामकी कंपनी के सफाई मित्र हड़ताल पर चले गए। इसकी वजह से शहर में 2 दिनों तक कचरा नहीं उठा। आरोपी मोनू साहू पर कार्रवाई की मांग करते हुए सफाई मित्र आसकरण कोसले ने गुढ़ियारी थाने में लिखत शिकायत दर्ज कराई। घटना के दूसरे दिन भी रामकी के सफाई मित्र दलदल सिवनी पाइंट पर वेतन बढ़ाने और सफाई मित्र के साथ मारपीट करने वाले पर कार्रवाई की मांग को लेकर अड़े रहे। दो दिनों तक सफाई व्यवस्था बाधित रहने पर निगम आयुक्त अबिनाश मिश्रा के आदेश पर ठेका एजेंसी के सिटी हेड को शोकॉज नोटिस जारी कर 24 घंटे में इसका जवाब मांगा गया। इस दौरान निगम के अधिकारी हड़ताली सफाई कर्मचारियों को समझाइश देते रहे। बाद में 7 बिंदुओं पर सफाई मित्रों की मांग एक माह में पूरी करने रामकी के सिटी हेड योगेश कुमार द्वारा आश्वासन दिए जाने पर हड़ताल खत्म हुई।

छात्रों को बताई ऑनलाइन वर्क करने की विधि

रायपुर। शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला जोरा एवं शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला भाठागांव में समर कैंप का आयोजन किया गया। यह समर कैंप सुबह 7.30 बजे प्रारंभ शुरू होता है। इस कैंप में विद्यालय के प्रधानपाठक जे. तिर्की एवं राजेंद्र प्रसाद द्वारा छात्रों को पेंटिंग, टाइपिंग, ऑफिस वर्क के लिए माइक्रोसॉफ्ट वर्ल्ड, एक्सेल, डिजिटल कंप्यूटर द्वारा ऑनलाइन वर्क करने की विधि समेत अनेकों संचार से संबंधित जानकारियां दी गईं। इस समर कैंप में पेंटिंग, चित्रकला, बच्चों ने वेस्ट कागज से पेपर बैग बनाना जैसी अनेकों उपयोगी बातें सिखाई जा रही हैं।

चित्ररेखा बनीं अध्यक्ष हिम्मतलाल उपाध्यक्ष

रायपुर। सामाजिक भवन में रविवार को संत माता कर्मा आश्रम समिति के पदाधिकारियों का निर्वाचन किया गया, जिसमें सर्वसम्मति से अध्यक्ष चित्ररेखा साहू और उपाध्यक्ष हिम्मतलाल साहू को चुना गया। अन्य पदाधिकारियों में महामंत्री बीरसिंह साहू, कोषाध्यक्ष कुंजीलाल साहू, अंकेक्षक शंकरलाल साहू, संगठन सचिव अशोक साहू, जीवन गोल्डन साहू को बनाया गया। कार्यकारिणी सदस्य विद्या साहू, श्यामा साहू, गंगा साहू के अलावा समिति के संरक्षक सोमनाथ साहू, विद्या देवी साहू, संतराम साहू, सरिता साहू, राजेंद्र प्रसाद साहू, बृजेश साहू को बनाया गया। इसी प्रकार कार्यकारी अध्यक्ष, महिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष, कार्य अध्यक्ष महिला प्रकोष्ठ और अध्यक्ष युवा प्रकोष्ठ को भी चुना गया।

नाम परिवर्तन

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं श्रीमती पल्लवी पिता श्री वीरेन्द्र सिंह शिशोदिया निवासी सड्डू, जिला रायपुर पिन-492014 (छ.ग.) यह शपथ करती हूँ कि मैंने अपने पुराने नाम पल्लवी को त्याग कर नया नाम पल्लवी तोमर पिता वीरेन्द्र सिंह शिशोदिया रख लिया है। अतः आज से मुझे समस्त शासकीय, अर्धशासकीय व अन्य दस्तावेजों में मेरे नये नाम पल्लवी तोमर पिता वीरेन्द्र सिंह शिशोदिया से ही जाना पहचाना जावे।

पल्लवी तोमर
सड्डू, ज़िला- रायपुर
पिन- 492014 (छ.ग.)

कार्यालय राजस्व निरीक्षक मंडल रायपुर-19 (धनेली) तहसील धरसींवा जिला रायपुर (छ.ग.)

// आम सूचना //

जारी दिनांक 21.05.2024

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक डेरहा पिता अभय निवासी ग्राम पठारीडीह की ग्राम पठारीडीह प.ह.नं. 30 राजस्व निरीक्षक मंडल रायपुर-19 (धनेली) तहसील धरसींवा जिला रायपुर द.ग. में स्थित भूमिस्वामी हक की भूमि खसरा नंबर 109/3, 212 रकबा 0.2510 हे., 0.1700 हे. का सीमांकन न्यायालय तहसीलदार धरसींवा के ज्ञापन क्रमांक/वाचक/तह/2023-24 आदेश दिनांक 23.02.2024 के परिपालन में दिनांक 03.06.2024 को समय 11.00 बजे पश्चात किया जाना नियत है। अतः उक्त सीमांकन में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा या आपत्ति हो, वे उक्त तिथि को पटवारी हल्का नंबर 30 के स्थित कार्यालय में अथवा सीमांकन स्थल में दस्तावेज सहित स्वयं अथवा अपने वैध अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। बाद के किसी दावा या आपत्ति पर विचार किया जाना संभव नहीं होगा।

अतः सूचना जाने।

राजस्व निरीक्षक
रायपुर-19 (धनेली)

न्यायालय तहसीलदार रायपुर, तहसील व जिला रायपुर (छ.ग.)

// ईश्तहार //

क्रमांक / / वाचक/तहसीलदार/2024
रायपुर दिनांक 22/05/2024
ग्राम सोनडोगरी, प.ह.नं.36,

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि माननीय न्यायालय द्वितीय अतिरिक्त सिविल न्यायाधीश प्रथम सिविल न्यायाधीश वर्ग-एम रायपुर के व्यवहार सिविल वाद क्रमांक 49ए/21 पक्षकार कुमार सिंह वल्द श्री गंगा सिंह राणा, ग्राम सोनडोंगरी प.ह.नं. 36 तहसील व जिला रायपुर स्थित परिवर्तित भूमि 528/10 (528/11) का रकबा 0.041 हे. भूमि का सीमांकन कराये जाने हेतु मुझे (तहसीलदार रायपुर) कमिश्नर नियुक्त किया गया है, जिसका की सीमांकन मेरी उपस्थिति में दिनांक 30/05/2024 समय 11:00 बजे किया जावेंगा।

अतएव जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं या अपने अभिभाषक के माध्यम से अपनी लिखित आपत्ति दिनांक 30/05/2024 को इस न्यायालय में पेश करें। नियत समयावधि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 22/05/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

(मुहर)
तहसीलदार
रायपुर (छ.ग.)

MODEL ENGLISH HR. SEC. SCHOOL
"Education makes future better"
Special Discount on ADMISSION FEES
ADMISSION OPEN Nursery to 12th (Biology, Maths, Commerce) Register Now at www.mesraipur.com
Highlight: ● Spoken English & Personality Development Classes ● Transport & Surveillance Facility ● Monthly Seminar & Discussion ● Personal attention on each students ● Scholarship will be provided for students coming from other schools who score above 90%
Civil lines, Katora Talab Road, Raipur (C.G.) Contact:- 07771-4000123

ROYAL PUBLIC SCHOOL
Play Group Nursery Pre Primary Class I to XII (Science, Commerce, Bio, Arts)
Special Discount on ADMISSION FEES
ADMISSION OPEN Nursery to 12th Register Now at www.rpsraipur.com
Silent Features: ● Extra curricular activities ● Personal attention to each student Limited student in each class ● Music, Dance, personality development classes ● Yoga ● Scholarship will be provided for students coming from other schools who score above 90%
Mathpurena, Chourasiya Colony, Raipur, (C. G.) Mo.:- 9589085558,9329621221, Email:- rpsraipur123@gmail.com
Contact to Add Your School - 79871-19756

मूत्र किडनी एवं प्रोस्टेट
समस्त किडनी रोग गुर्दा, नेफ्रोलाजी किडनी में सुजन दर्द पेशाब कम होना या रूकावट जलन, सिरम क्रियेटिनिन, यूरिक एसिड, यूरिया का बढ़ना पैरो या आंखो में सूजन अगर डायलिसिस में चल रहे हो या किडनी बदलने कि नौबत आ गई हो तो इस चिकित्सा से जीवन बच सकता है, यह चिकित्सा किडनी के नेफ्रान्स सेल को पुनः एक्टीवेट (रिजनरेट) अर्थात् फिर से जीवन प्रदान करता है यूरेथ्रास्ट्रेक्चर (मूत्र नली का सिकुड़न) पेशाब न उतरना, बूंद बूंद टपकना या बन्द होना, आपरेशन कि आवश्यकता नहीं होती एवं पेशाब में जलन, पीला लालिमा रहना या खून या मवाद आना। प्रोस्टेट विकार बार बार पेशाब होना, बूंद-बूंद या रूकना, इसके कारण सेक्स में आई कमजोरी। समय : 11 से 3 बजे तक
जीवन ज्योति क्लीनिक डॉ. आर अग्रवाल (हर्बल मेडिसीन) नया बस स्टैण्ड के अंदर, गोलू पोहा जलेबी होटल के ऊपर शॉप नं. 25 दुर्ग (छ.ग.) स्थायी चिकित्सा परामर्श के लिए मिले मो. 7587099540 (आने से पहले फोन करें)

विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 0771- 4242213, 7987119756, 9303508133

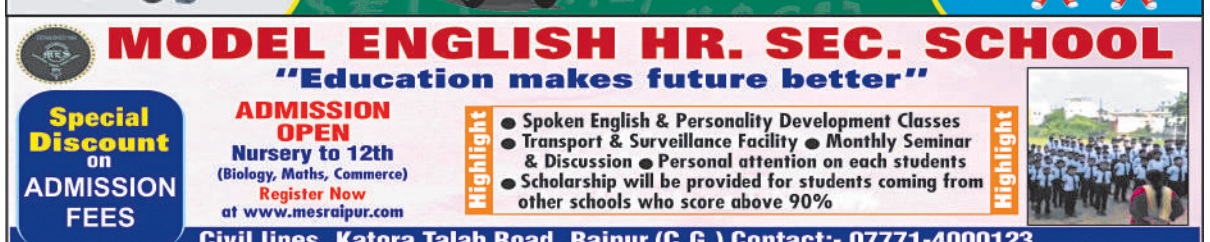

चकल्लस

ये कैसी इमरजेंसी

बारूद फैक्ट्री में ब्लास्ट के बाद आंबेडकर अस्पताल पहुंचे घायलों के इलाज की आपाधापी में चिकित्सकीय स्टाफ दूसरे मरीज को भूल गया। इमरजेंसी विभाग के गलियारे में हाथ-पैर में पट्टी बांधकर लेटे इस मरीज की तरफ किसी ने ध्यान ही नहीं दिया। इलाज की खातिर अस्पताल में बिस्तर मिलने के इंतजार में युवक ने डेढ़ दिन बिता दिया। मायूस होकर वह वापस घर लौटने का मन बना रहा था, इसी बीच उसकी बेबसी वाली तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हो गई, तब जाकर प्रबंधन ने उसकी सुध ली। अस्पताल के खबरचियों का कहना है कि इमरजेंसी में इस तरह की स्थिति होना आम बात है, मामला तूल तब पकड़ता है, जब मरीजों के परिजन इस तरह की घटनाओं पर हंगामा कर देते हैं।

चोरी की गाड़ी, चोरी के ट्रक

आजकल जहां देखो यूज्ड कार और गाड़ियों के बड़े बड़े गैरेज खुल गए हैं। गाड़ी खड़ी करने के लिए लाखों रुपए का किराया देकर जमीन लेते हैं और उसे चलाने के लिए लाखों रुपए खर्च करने पड़ते हैं। अब कमाना भी है तो कुछ गलत धंधे में पड़ जाते हैं। खबरी बता रहा था कि पचपेड़ी नाका के पास बीते दिनों ऐसे ही डीलर को पुलिस ने पकड़ा था। चोरी की गाड़ियों को ठिकाने लगा रहा था। उसे सील करने की खबर है। खबर यह भी कि इस तरह की शिकायतें थोक में पुलिस को मिल रही हैं।

आचार संहिता पर टिकी निगाहें...

स्वास्थ्य विभाग के मैदानी से लेकर कार्यालयों तक में बैठने वाले अफसर फिलहाल काम के मूड में नजर नहीं आ रहे हैं। ज्यादातर आचार संहिता खत्म होने का इंतजार कर रहे हैं। अफसरों का मानना है कि आने वाले दिनों में विभागीय स्तर पर तबादला होगा और इसमें उनका नाम भी शामिल हो सकता है। अपना ट्रांसफर तय मानने वाले एक अफसर ने इसकी वजह विभागीय स्तर के काम को टालना शुरू कर दिया है उनका कहना है कि तबादले के बाद अक्सर आरोप लगते हैं, इससे बचने के लिए उन्होंने अभी से यह रास्ता अपना लिया है।

शाबास पुलिस

वैसे कहा यही जाता है कि पुलिस हमेशा द एंड के समय आती है जब सबकुछ हो चुका होता है। घटना हो गई, हीरोगिरी हो गई, मारपीट या मारकाट हो गई, तब पुलिस पहुंचती है। लेकिन लंबे समय बाद ऐसा हुआ कि पुलिस समय से पहले पहुंची भी और घटना करने से पहले ही बदमाशों को धरदबोचा। इसके लिए पुलिस को शाबासी मिलनी ही चाहिए। अगर रविवार को पुलिस ने शूटरों को नहीं पकड़ा होता तो छत्तीसगढ़ जैसा शांत प्रदेश भी गोलियों की आवाज से थर्रा गया होता। अब पुलिस एक काम और करे, इन्हें ऐसा सबक सिखाए कि इस तरह के लोग इस प्रदेश में झांकने की हिम्मत तक न जुटा पाएं।

न हार में न जीत में

लोकसभा चुनाव के बाद स्ट्रांग रूम की तरफ भाजपा वाले तो झांकने तक नहीं गए, लेकिन जहां तक कांग्रेस का सवाल है तो उसके प्रत्याशियों के समर्थक भी महज खानापूर्ति में लगे हैं। खबरी बता रहा था, जिन भी प्रत्याशियों ने अपने समर्थकों को निगरानी का काम सौंपा है, वे महज स्ट्रांग रूम तक जाते हैं और कुछ देर तक वहां पर रुककर वापस लौट जाते हैं। प्रत्याशी खुद मानते हैं कि कोई भी समर्थक इतना ईमानदार नहीं है कि 24 घंटों तक वहां पर बैठकर निगरानी करेगा। वैसे विधानसभा के समय बात अलग थी, तब सत्ता का सवाल था तो दोनों दलों का संगठन भी लगा था, लेकिन इस बार तो संगठन का निगरानी से कोई सरोकार ही नहीं है। वैसे भी हारने वाले और जीतने वाले, दोनों को पता है कि होना क्या है,सो ज्यादा मशक्कत भी नहीं कर रहे।

हाजिरी लगा रहे अफसर...

कांग्रेस सरकार के समय जो अधिकारी सूरमा बने हुए थे, वे अब अपना अस्तित्व बचाने के प्रयास में जुट गए हैं। नई सरकार बनने के बाद ऐसे अफसरों को यहां से दूर कर दिया गया, फिर भी अब वे मुख्यालय में अटैच हो गए हैं। अपने पुराने कारनामों पर पर्दा डालने संगठन के दफ्तर में हाजिरी लगाने में नहीं चूक रहे हैं। संगठन के रास्ते सत्ता के लोगों को मनाने का प्रयास कर रहे हैं। नौकरशाह अपनी सेटिंग बिठाने का प्रयास कर रहे हैं। राजनीति और नौकरशाही के बीच ऐसे लोग भी शामिल हैं, जो सत्ता की मलाई मिलते ही अपनी ज्यादती के लिए सबसे आगे रहे। उनको इस बात का डर है कि उनकी कारगुजारियों का खुलासा न हो जाए।

राम नाम की जीत है

प्रदेश में चुनाव होने के बाद मतगणना में अभी भी एक सप्ताह से अधिक समय बाकी है। सट्टा बाजार से लेकर सभी लोगों के अनुमान तक सामने आने लगे हैं। स्थानीय नेता और प्रत्याशी अपने अनुमान तक दे रहे हैं। छत्तीसगढ़ में अब 5-6 का नया गणित दिया जा रहा है। उनका तर्क है कि संविधान का मुद्दा यहां के कई लोकसभा क्षेत्रों में चल गया है। पिछली बार हमारे सत्ता में होने का फायदा विपक्ष को मिला था, वैसे ही इस बार भी परिणाम उलट ही रहने वाला है। उनका मानना है कि राज्य की जनता ऐसा प्रयोग हर बार कर नेताओं पर नकेल कसती है। वहीं सत्ता पक्ष के नेता कहते हैं कि जिस पार्टी के पास मोदी हों और श्रीराम मंदिर का श्रेय, उसे कौन हरा सकता है।

कागजी पढ़ाई से मालामाल...

भ्रष्टाचार के मामले में आपने सुना होगा, कागज पर सड़क, कागज पर पुल। कागज पर मकान बना दिया गया, लेकिन अब प्राइवेट स्कूल नए तरीके से घोटाला करने में जुटे हैं। दरअसल सरकार शिक्षा के अधिकार के तहत गरीबों के बच्चों के मुफ्त में पढ़ाने के लिए प्राइवेट स्कूलों को रकम देती है। हमारे यहां ये बात सामने आई कि गरीबों के बच्चे पहली-दूसरी में एडमिशन के बाद साल-दो साल पढ़कर स्कूल छोड़ देते हैं, लेकिन प्राइवेट स्कूल वाले इन बच्चों के कागज पर ही पढ़ता दिखाकर सरकार से लाखों-करोड़ो रुपए वसूल कर लेते हैं। ये कागजों पर बच्चों की पढ़ाई का बड़ा घोटाला है।

संविधान के भरोसे...

लोकसभा चुनाव में बहुत से मुद्दों के अलावा विपक्ष के हाथ संविधान परिवर्तन का मुद्दा भी लग गया है। भाजपा ने चार सौ पार का नारा दिया तो उसमें जोड़ा गया कि संविधान बदलने के लिए इतनी सीटें मांगी जा रही हैं। बस फिर क्या था, विपक्ष ने इस मुद्दे को जमकर भुनाया है। हमारे यहां छत्तीसगढ़ में कांग्रेस के कुछ नेता दावा कर रहे हैं कि संविधान के मुद्दे पर पांच सीटें जीत सकते हैं। वे जिन सीटों को जीतने का दावा कर रहे हैं, उनके बारे में खबरी ने पता लगाया कि ये सीटें तो पहले-दूसरे दौर की हैं, उस समय तो संविधान बदलने का मुद्दा बना ही नहीं था।

पार्ट टाइम स्नैचर ...

शहर में चैन खींचने का काम कोई पेशेवर तरीके से करता है, कोई पार्ट टाइम । ये बात अलग है पार्ट टाइम काम में कलाकारी कभी-कभी थोड़ी भारी पड़ जाती है। हुआ यूं गाने बजाने वाले तबलची तंगहाली में समय बिता रहा था। परिवार में शादी का खर्चा आ गया। अब गाने-बजाने से शादी लायक पैसा जुगाड़ना मुश्किल लगा। सो चैन स्नेचिंग में हाथ आजमाने शुरू किये। एक - दो बार इस काम में किस्मत साथ दे गई। हिम्मत बढ़ी सो नये फील्ड में इंट्रेस्ट बढ़ा पर चोरी-चकारी कब तक छिपती। सो एक बार धरे गये।

कुल्लू मनाली ट्रिप ...

व्हाइट हाउस वाले बड़े साहब जब से आये तब से रेवेन्यू बढ़ाने नया फार्मूला आजमाने से नहीं चूक रहे। जो साल भर रेवेन्यू कलेक्शन को लेकर मुंह भौंह सिकोड़ा करते। अब फाइनेंसियल एंडिंग में खोज-खोज कर बकायेदार ला रहे हैं। बड़े साहब ने पिछली बार रिकार्ड रेवेन्यू कलेक्शन पर शाबासी के साथ केरल ट्रिप पर भेज दिया। इस बार उससे भी अच्छा काम हुआ सो साहब ने कुल्लू मनाली भेजने का इंतजाम कर दिया। ये देखकर सफाई वाले कसमसा रहे कि बड़े साहब हमारे लिये ऐसा कोई प्लान कब लेकर आएंगे ?

जिया कुरैशी, राजकुमार ग्वालानी, सुरेंद्र शुक्ला, प्रदीप शर्मा, विकास शर्मा, गिरीश केशरवानी।

नवतपा के दूसरे दिन गर्मी ने दिखाए तेवर, 44 के करीब पारा

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

नवतपा के दूसरे दिन गर्मी ने अपना तेवर दिखाना शुरू कर दिया है। शहर का अधिकतम तापमान 44 डिग्री के करीब पहुंच चुका है। तेज धूप की वजह से दोपहर आग उगलती गर्मी महसूस हुई, वहीं रात को तीन डिग्री ज्यादा तापमान से बेचैनी बढ़ गई। शाम होने के बाद चक्रवाती तूफान के असर से बादल तो छाए, मगर गर्मी पर इसका कोई असर नहीं हुआ। तेज धूप और गर्मी को देखते हुए मौसम विभाग द्वारा तीन दिन का यलो अलर्ट जारी किया गया है।

नवतपा के दूसरे दिन तापमान ने अपना असर दिखाया। खासकर प्रदेश के मध्य हिस्से में आग उगलने वाली गर्मी महसूस होने लगी है। रविवार को राज्य में आने वाली हवा की दिशा बदलकर उत्तर-पश्चिम हो गई और शुष्क हवा से दोपहर के वक्त लू का अहसास होने लगा। गर्मी इतनी अधिक थी कि लोगों ने बेचैनी महसूस की। दोपहर बाद चक्रवाती तूफान के असर से बादल छा गए। इससे धूप से तो राहत मिली, मगर गर्मी ने अपनी कहर बरपाना कम नहीं किया। अभी दिन के साथ रात में भी गर्मी की वजह से बेचैनी का दौर जारी है और तापमान सामान्य से तीन डिग्री अधिक दर्ज किया जा रहा है। अगले चौबीस घंटे में रात में बेचैनी और बढ़ने की संभावना जताई गई है। मौसम विज्ञान विभाग द्वारा अगले तीन दिन तक रायपुर समेत रायपुर, बिलासपुर और दुर्ग संभाग के जिलों में अगले तीन दिन तक ग्रीष्म लहर चलने का अलर्ट जारी किया है।

दोपहर लू जैसे हालात, रात में हो रही बेचैनी, तीन दिन का यलो अलर्ट

इन शहरों में अलर्ट

मौसम विभाग के मुताबिक ग्रीष्म लहर की स्थिति जीपीएम, बिलासपुर, मुंगेली, कोरबा, जांजगीर, रायपुर, बलौदाबाजार, महासमुंद, दुर्ग, राजनांदगांव, मोहला-मानपुर, खैरागढ़-छुईखदान, बालोद, बेमेतरा एवं कबीरधाम जिले के एक-दो हिस्सों में रह सकती है। इसके अलावा 28, 29, 30 मई को रायपुर, बिलासपुर, दुर्ग संभाग के सभी जिलों में लू जैसे हालात बन सकते हैं।

बारिश भी हुई : पिछले चौबीस घंटे में कोंडागांव, सरगुजा, जशपुर, बस्तर और कोरिया में बारिश की गतिविधि बनी रही। आने वाले तूफान रेमल की वजह से राज्य के एक-दो स्थानों पर हल्की वर्षा होने की संभावना बनी हुई है। मौसम विशेषज्ञों के माने तो नवतपा के अंतिम दिनों में राज्य में प्री-मानसून की गतिविधि बढ़ने की संभावना भी बनने लगी है।

बीते मई का सर्वाधिक तापमान

मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार मई के महीने में रायपुर में 5 मई को सर्वाधिक तापमान 43.6 और राज्य में सर्वाधिक 44.2 बेमेतरा का दर्ज किया गया था। रविवार को रायपुर का तापमान बढ़कर 43.7 और बेमेतरा का 44.1 पहुंच गया। सोमवार को इस टेंप्रेचर में और बढ़ोतरी होने की प्रबल संभावना है। रायपुर में वर्ष 2017 तथा 2019 में 44.2 डिग्री का रिकार्ड है।

प्रमुख शहरों के तापमान की स्थिति

रायपुर	43.7	+1.6
बिलासपुर	42.4	0
पेंड्रा	41.0	+1
अंबिकापुर	39.3	-1
जगदलपुर	37.6	0
दुर्ग	43.6	0
राजनांदगांव	41.0	0

बदमाशों को एक-दूसरे से पहचान के लिए मिला था कोड नेम

मलेशिया से मारने का आदेश, बाइक राइडर बनकर शूटर पहुंचे थे रायपुर, उगाही के लिए था पूरा खेल

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

अमन साहू गैंग के बदमाश रायपुर तथा रायगढ़ में जिन दो कारोबारियों की हत्या कर सनसनी फैलाने की फिराक में थे, उनका उद्देश्य क्षेत्र में अपना दबदबा कायम करने के साथ ही झारखंड में ठेका लेने वाले कारोबारियों के बीच दहशत फैलाने का था। बदमाशों को रायपुर के कारोबारी पर हमला करने पूरे मैग्जीन से 20 राउंड फायरिंग करने का निर्देश मिला था। पुलिस के अनुसार गैंग के शूटर रायपुर में बाइक राइडर बनकर पहुंचे थे। घटना को अंजाम देने से पहले दो शूटर अपनी कामयाबी के लिए आशीर्वाद लेने उज्जैन के महाकालेश्वर मंदिर गए थे।

पुलिस के मुताबिक राजधानी और रायगढ़ में घटना को अंजाम देने रोहित ने मध्यप्रदेश के इंदौर से पिस्टल तथा मैग्जीन की व्यवस्था की। पिस्टल की व्यवस्था होने के बाद मलेशिया में बैठे गैंगस्टर मयंक ने रोहित को बाइक राइडर बनकर रायपुर पहुंचने के लिए कहा। साथ ही उसे रेलवे स्टेशन के एक होटल का नाम बताते हुए अपने लिए कमरा बुक कराने के लिए कहा। रोहित के रायपुर आने के पूर्व पुलिस को इसकी सूचना मिल चुकी थी। इसके बाद पुलिस ने रोहित को होटल से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने बस से रायपुर पहुंचे दो अन्य बदमाशों को भाठागांव इंटरस्टेट बस टर्मिनल के पास से गिरफ्तार करने में कामयाबी हासिल की।

पकड़े जाने पर राम-राम, जय माता दी, 29-29 कोड

आज आने वाले थे अकाउंट में साढ़े चार लाख

दो कारोबारियों की हत्या की सुपारी कितने में दी गई थी, इसकी जानकारी जुटाने की कोशिश में पुलिस जुटी हुई है। पूछताछ में रोहित ने पुलिस को बताया कि सोमवार को घटना को अंजाम देने के पहले मलेशिया में बैठे गैंगस्टर ने रोहित को उसके अकाउंट में साढ़े चार लाख रुपए ट्रांसफर करने की जानकारी दी थी। अन्य बदमाशों को लेन-देन की रकम कैसे मिलती, पुलिस इस संबंध में बदमाशों से पूछताछ कर रही है।

बदमाशों के लिए कोड निर्धारित

पुलिस के अनुसार रायपुर पहुंचे बदमाशों को पुलिस द्वारा पकड़े जाने पर अलग-अलग कोड दिया गया था। बदमाशों को कोड मलेशिया से दिया गया था। मलेशिया में बैठे गैंगस्टर मयंक ने रोहित को पकड़े जाने की स्थिति में 29-29 कोड दिया था। इसी तरह से मुकेश को राम-राम तथा जय माता दी कोड दिया गया था। पुलिस के अनुसार रायपुर तथा रायगढ़ में घटना को अंजाम देने मलेशिया में बैठे गैंगस्टर मयंक ने बाइक की व्यवस्था कराने की बात कही थी।

घटना के पहले रेकी कर वीडियो बनाया

पूछताछ में रोहित ने पुलिस को बताया कि रायपुर में गैंग का एक बदमाश दो माह पूर्व रायपुर आया था और घटना को अंजाम देने के बाद भागने के संभावित रास्तों की रेकी कर वीडियो बनाया। उसके बाद उस बदमाश ने उस वीडियो को मलेशिया में बैठे गैंगस्टर के पास भेजा। मलेशिया में बैठे गैंगस्टर ने रायपुर में घटना को अंजाम देने पहुंचे बदमाशों को रायपुर में लंबे समय तक रुकने की बात कही थी।

बदमाशों का एनक्रिप्टेड एप के माध्यम से संपर्क

पुलिस के अनुसार रायपुर पहुंचे तीनों बदमाश एक-दूसरे को नहीं पहचानते। बदमाशों का एनक्रिप्टेड एप एप्लिकेशन के माध्यम से संपर्क था। एनक्रिप्टेड एप्लिकेशन में भेजे गए मैसेज को कोई तीसरा आदमी ट्रेस नहीं कर सकता। एनक्रिप्टेड एप का मैसेज एक निश्चित समय के बाद स्वतः ही डिलीट हो जाता है, जिसे पुलिस ने अब ट्रेस कर लिया है। बदमाश एक-दूसरे के साथ नेट कॉलिंग के माध्यम से संपर्क में थे। बदमाशों को जयपुर में बैठा बदमाश पप्पू मलेशिया से मिले निर्देश के अनुसार ऑपरेट कर रहा था।

गैंग में बदमाशों की जेल भर्ती

पुलिस के अनुसार अमन साहू ने जो गैंग तैयार किया है, उनमें से ज्यादातर बदमाशों से जेल में मुलाकात होने के दौरान अपने झांसे में लेकर गैंग में शामिल किया गया है। उल्लेखनीय है कि छह माह पूर्व झारखंड सीआईडी ने एटीएस को एक रिपोर्ट सौंपी थी। रिपोर्ट के अनुसार अमन साहू गैंग में 145 बदमाश शामिल हैं, इनमें से 46 बदमाश झारखंड के अलावा राज्य की अलग-अलग जेलों में बंद हैं। अमन साहू भी झारखंड के जेल में बंद है। अमन की अनुपस्थिति में मलेशिया में बैठा मयंक गैंग को ऑपरेट कर रहा है। गैंग के पास ढाई सौ के करीब घातक हथियार होने की बात सामने आई है, जिनमें 5 एके 47, 9 कार्बाइन, 70 देसी कट्टे तथा 166 पिस्टल हैं।

'विपक्ष मुजरा कर रहा' बयान जनता का अपमान

■ जनता का मजाक उड़ा रहे मोदी : बैज

रायपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 'विपक्ष मुजरा कर रहा' वाले बयान की कड़ी निंदा करते हुए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा, लोकसभा चुनाव में करारी हार के संकेत मिलने के बाद प्रधानमंत्री मोदी बौखला गए हैं। वे आम जनता के मूल मुद्दों और अपनी सरकार की नाकामी पर चर्चा करने से बचने के लिए ऊलजुलूल बयान देकर जनता का ध्यान भटका रहे हैं। प्रधानमंत्री का विपक्ष को मुजरा करने वाला बताना विपक्षी दल और आम जनता का अपमान है।

उन्होंने भाजपा पर तीखा प्रहार करते हुए कहा, भाजपा जिन राज्यों में विपक्ष की भूमिका में है, क्या वहां मुजरा करती है? 10 साल से देश की सत्ता में मोदी हैं और जनता के वादों को पूरा करने में असफल साबित हुए हैं। लोकसभा चुनाव में अपनी सरकार की कामयाबी नहीं बता पाए हैं, इसीलिए वे चुनावी मंचों के माध्यम से कभी मटन, मछली, मुसलमान, हिंदू-मुस्लिम तो कभी मुजरा जैसे शब्दों का इस्तेमाल करके लोकतंत्र का अपमान कर रहे हैं, जनता का उपहास उड़ा रहे हैं।

अब तक 41 हजार से अधिक डाक मतपत्र मिले, हर टेबल पर होगी पांच सौ की गिनती

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

लोकसभा चुनाव के अंतर्गत मतगणना के दौरान ईवीएम में दर्ज वोटों के साथ ही डाक मतपत्रों की भी गणना की जाएगी। डाक मतपत्रों की गणना 11 संसदीय निर्वाचन क्षेत्रों के संबंधित रिटर्निंग अधिकारी के मुख्यालय जिलों में ही होगी। सभी संसदीय निर्वाचन क्षेत्रों में अन्य संबंधित जिलों से डाक मतपत्रों का परिवहन रिटर्निंग अधिकारी के मुख्यालय जिलों में पूरा कर लिया गया है। अब तक 41 हजार 877 डाक मतपत्र प्राप्त हो चुके हैं। छत्तीसगढ़ की मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी रीना बाबासाहेब कंगाले ने बताया कि प्रदेश में अब तक कुल 41 हजार 877 डाक मतपत्र प्राप्त हो चुके हैं। इनमें निर्वाचन ड्यूटी में तैनात कर्मचारियों के सुविधा केंद्रों से कुल 26 हजार 936 डाक मतपत्र, होम वोटिंग के अंतर्गत 85 वर्ष से अधिक आयुवर्ग के मतदाताओं से प्राप्त कुल 2 हजार 761 और दिव्यांगजनों के कुल 1 हजार 453 डाक मतपत्र तथा अनिवार्य सेवा श्रेणी के 779 डाक मतपत्र भी शामिल हैं।

■ रिटर्निंग अधिकारी जिला मुख्यालय में कराएंगे गिनती

ईटीपीबी डाक माध्यम से 4 जून तक स्वीकार होंगे : इनके साथ ही सेवा मतदाताओं को जारी किए गए ईटीपीबी डाक के माध्यम से प्रत्येक दिवस प्राप्त हो रहे हैं और 25 मई की स्थिति में कुल 9 हजार 948 ईटीपीबी प्राप्त हो चुके हैं। डाक विभाग के माध्यम से ईटीपीबी की प्राप्ति मतगणना दिवस 4 जून को मतगणना प्रारंभ होने के पूर्व तक की जाएगी। मतगणना स्थल में डाक विभाग के प्रतिनिधि द्वारा प्रातः 8 बजे के पूर्व तक प्राप्त सभी ईटीपीबी डिलीवर किए जाएंगे। मतगणना स्थल में प्रवेश के लिए डाक विभाग के प्रतिनिधि को आईडी कार्ड/पास जारी किया जाएगा।

एक टेबल पर 500 डाक मतपत्रों की गिनती : 11 संसदीय क्षेत्रों के रिटर्निंग अधिकारियों के मुख्यालय जिलों में डाक मतपत्रों की गणना के लिए पृथक से काउंटिंग हॉल तैयार किए गए हैं, जिसमें एक टेबल पर अधिकतम 500 डाक मतपत्रों की गणना की जाएगी। काउंटिंग के लिए प्रत्येक टेबल के लिए एक-एक अतिरिक्त सहायक रिटर्निंग अधिकारी भी नियुक्त किए गए हैं। डाक मतपत्रों की गणना के लिए प्रत्येक टेबल पर एक एएआरओ के साथ एक मतगणना पर्यवेक्षक, दो मतगणना सहायकों एवं एक माइक्रो आब्जर्वर की भी नियुक्ति की जाएगी।

ट्रेजरी के स्ट्रांग रूम रखे गए डाक मतपत्र

डाक मतपत्रों की गणना 11 रिटर्निंग अधिकारियों के मुख्यालय जिलों में 4 जून को प्रातः 8 बजे से प्रारंभ हो जाएगी। गणना के लिए आवश्यक व्यवस्था एवं तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। डाक मतपत्रों को जिला मुख्यालयों में ट्रेजरी स्थित स्ट्रांग-रूम में पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था के साथ रखा गया है। मतगणना दिवस को इन मतपेटियों का परिवहन प्रातः 6 बजे निर्वाचन लड़ने वाले अभ्यर्थियों/उनके प्रतिनिधियों की उपस्थिति में संपूर्ण सुरक्षा के साथ काउंटिंग सेण्टर में किया जाएगा। 11 जिलों में डाक मतपत्रों की मतगणना प्रारंभ होने के आधे घंटे बाद ईवीएम के मतों की गणना प्रारंभ की जाएगी।

अंतर्राज्यीय तस्कर गिरफ्तार दो लाख का गांजा बरामद

रायपुर। आरपीएफ ने रविवार को 10 किलो गांजा के साथ एक अंतर्राज्यीय तस्कर को गिरफ्तार किया है। गांजे की कीमत 2 लाख बताई जा रही है। आरपीएफ पोस्ट रायपुर के साथ सघन चेकिंग के दौरान लोकसभा चुनाव आचार संहिता के मद्देनजर प्री-इलेक्शन सीजर अभियान के तहत मुखबिर की सूचना के आधार पर यह कार्रवाई की गई। रेसुब पोस्ट प्रभारी निरीक्षक एसके दत्ता के नेतृत्व में मंडल टास्क टीम प्रभारी उपनिरीक्षक केबी गुप्ता, प्रआ वीसी बंजारे, आरक्षक एसके गिरी, देवेश सिंह, आरपीएफ टीम द्वारा आपरेशन नारकोस के तहत मुखबिर सूचना के आधार पर रेलवे स्टेशन रायपुर के प्लेटफार्म नंबर 5 दुर्ग छोर में विकलांग शौचालय के पास मुखबिर के बताए हुलिए, पहनावे एवं सामान के आधार पर एक संदिग्ध यात्री को घेराबंदी कर पकड़ा तथा उसके पास रखे एक काले रंग के लगेज बैग को चेक करने पर मादक पदार्थ गांजा मिला। नाम-पता पूछने पर उसने सूरज कुमार निवासी ग्राम नौढ़िया तरहार, थाना-लालापुर जिला प्रयागराज यूपी का रहने वाला बताया।

डिप्टी सीएम शर्मा बोले- जिन्हें निर्दोष बता रहे, उन पर कांग्रेस शासन से ही मामले दर्ज

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

डिप्टी सीएम विजय शर्मा का कहना है, कांग्रेस जिन्हें निर्दोष बता रही है, उन पर कांग्रेस शासन से ही मामले दर्ज हैं। उन्होंने कहा, आज बस्तर नक्सल उन्मूलन की दिशा में बहुत आगे बढ़ चुका है। बस्तर से लगातार फीडबैक आ रहे हैं। लोग चाह रहे हैं कि उन्हें नक्सलवाद पूरा समाप्त चाहिए। लोग बिना डर एवं भय के शांति से रहना चाहते हैं। इस पर सभी को राजनीतिक मतभेदों के बावजूद पूर्ण सहयोग करना चाहिए। डिप्टी सीएम ने कहा, दीपक बैज ने भी हमारा आग्रह है कि नक्सल उन्मूलन के लिए क्या करना है, अपने सुझाव सरकार को दें। श्री शर्मा ने पत्रकारों से चर्चा करते हुए कहा, दीपक बैज को पहले तथ्यों की परख कर लेनी चाहिए, उसके बाद बोलना चाहिए। श्री शर्मा ने जानकारी साझा करते हुए बताया कि जिन्हें कांग्रेस निर्दोष बता रही है, उन सभी के विरुद्ध साल 2022, 2021 से ही आपराधिक मामले दर्ज हैं। लकी कुंजाम पर 2022 में 302 का मामला दर्ज है, 2023

■ डिप्टी सीएम ने दीपक बैज से कहा, नक्सल उन्मूलन के लिए क्या करना है, अपने सुझाव दें

में 307 का प्रकरण था, दीपक बैज वहां के सांसद थे, उनकी ही सरकार थी। ओरछा छोटू के विरुद्ध 2022 में 307 का मामला दर्ज है। चैतू कुंजाम पर 2021 में 307 का मामला है, 2023 में फिर 307 लगा, 2024 जनवरी में 302, इस प्रकार 7 प्रकरण उनके खिलाफ हैं। सन्नो अवलम पर 2022 में 302 सहित कुल 6 प्रकरण हैं। सुनीता कुंजाम के विरुद्ध साल 2022 में 302, साल 2023 में 307 सहित 6 प्रकरण दर्ज हैं। योगा बरसे के खिलाफ 2022 में अपहरण का प्रकरण दर्ज है। ऐसे बहुत सारे विषय हैं, उन तथ्यों की जांच होनी चाहिए।

हरिभूमि

रायपुर, सोमवार 27 मई 2024

लाइव

Email id- zindgi.live.hb@gmail.com

0771- 4242222, Message at - 9630172937

महादेवघाट के हाटकेश्वर महादेव धाम में 40 डिग्री की उमस भरी गर्मी में 25 हजार से ज्यादा भक्तों का सैलाब उमड़ा। आस्था की यह भीड़ किसी के बुलाने पर नहीं, बल्कि खुद पहुंची थी। यह जनसैलाब अम्लेश्वर में श्री शिव महापुराण कथास्थल तक देखने को मिला। इनमें 10 हजार से ज्यादा महिलाएं सिर पर कलश धारण कर नंगे पांव ही महादेवघाट से कथास्थल तक पैदल चलते हुए करीब ढाई घंटे में पहुंचीं।

● उमस भरी गर्मी में महादेवघाट से अम्लेश्वर तक 25 हजार से ज्यादा भक्तों की उमड़ी भीड़

आस्था का ऐसा सैलाब... 40 डिग्री में 10 हजार महिलाएं कलश धारण कर नंगे पांव निकलीं

रायपुर। देश-दुनिया में सनातन धर्म का प्रचार श्री शिव महापुराण के जरिए करने वाले कथावाचक पं. प्रदीप मिश्रा दोपहर को सिहोर से रायपुर पहुंचे। इसके पहले शाम को हाटकेश्वर महादेव मंदिर में पूजा-अर्चना के बाद भव्य कलश यात्रा निकाली गई। इसमें हर भक्त परिवार शामिल होने के लिए उत्साही नजर आया। महिलाएं शाम 4 बजे कलश यात्रा के लिए तय समय से पहले ही महादेवघाट स्थित मंदिर पहुंचीं। वहां भीड़ बढ़ते देख पुलिस प्रशासन व आयोजकों ने व्यवस्था बनाए रखने के लिए तय समय पर ही कलश यात्रा शुरू करा दी। इससे ऐसा नजारा भी बना, जब कलश यात्रा में शामिल महिलाओं का एक छोर महादेवघाट पर था तो अग्रिम पंक्ति में कलश लेकर निकली भक्त महिलाएं कथास्थल पहुंच चुकी थीं।

टैंकर से डाला सड़क पर पानी

उमस भरी गर्मी में हजारों श्रद्धालु पैदल चलते हुए आगे बढ़ रहे थे। इनको किसी प्रकार की परेशानी न होने पाए, इसे देखते हुए आयोजकों ने जिस रुट से कलश धारण करके महिलाएं नंगे पांव चल रही थी, वहीं उन्हें तपती सड़क पर चलने में परेशानी से बचाने के लिए टैंकर से सड़क पर पानी डालने की जिम्मेदारी युवा कार्यकर्ताओं ने निभाई। सभी की जुंबान से सिर्फ एक शब्द गूंज रहा था, श्री शिवाय नमस्तुभ्यं, श्री शिवाय नमस्तुभ्यं...। कलश यात्रा जैसे-जैसे आगे बढ़ रही थी, लोग घरों-दुकानों से बाहर निकलकर श्रद्धालुओं पर पुष्पवर्षा भी करते नजर आए।

महादेव की पूजा के बाद शुरू हुई

प्रख्यात कथा वाचक पं. प्रदीप मिश्रा सिहोर से दोपहर 3.20 बजे नियमित विमान से रायपुर पहुंचे। आयोजक पवन खंडेलवाल, विशाल खंडेलवाल, मोनू साहू के अलावा उनके परिजनो ने भी भावपूर्ण स्वागत किया। वहीं कलश यात्रा निकलने से पहले ही कथा वाचक पं. मिश्रा ने हठकेश्वर महादेव की पूजा-अर्चना करके छत्तीसगढ़ के लोगों के लिए सुख-समृद्धि की कामना की। इसके बाद रथ पर सवार होकर प्रदीप मिश्रा हजारों श्रद्धालुओं के साथ कलश यात्रा में निकल पड़े। इसमें सभी लोग एक स्वर में भोलेनाथ का जयघोष करते हुए धीरे-धीरे आगे बढ़ रहे थे।

लेजर लाइट, झांकी रही आकर्षण का केंद्र

कलश यात्रा में आगे लेजर लाइट, घोड़े, भव्य झांकी व डीजे लोगों के बीच आकर्षण का केंद्र रहा। श्रद्धालु भक्तिभाव से आगे बढ़ रहे थे। जैसे-जैसे यात्रा बढ़ते जा रही थी, लोग खुद इसमें शामिल होते जा रहे थे। जो लोग इस कलश यात्रा में शामिल नहीं हो सकें वे अपने घरों व दुकानों के बाहर से कथा वाचक पं. प्रदीप मिश्रा का पुष्प वर्षा करते हुए स्वागत करते नजर आए। यह पहला अवसर है जब अमलेश्वर में उनका पहली बार आगमन हुआ है। उनके स्वागत में रायपुर और अमलेश्वर के लोग बड़ी संख्या में उमड़े। इसमें मठा, शरबत और पानी का वितरण भी किया गया।

कथा नियमित दोपहर 1 से शाम 4 बजे तक

आयोजकों ने बताया कि सोमवार को दोपहर 1 से शाम 4 बजे तक समर्पण विषय के माध्यम से भगवान शिव की महिमा का वर्णन श्रद्धालुओं के बीच कथा वाचक करेंगे। यह कथा 2 जून तक नियमित चलेगी। इसमें अंतिम दिन यान 2 जून की कथा सुबह 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक होगी। कथा में आकर्षक डोम बनाए गए हैं। इसमें कुलिंग के लिए फौव्वारे, वाटर कुलर लगवाए गए हैं। इसके साथ ही दूर-दराज से आने वाले कथा श्रोताओं की सुविधा के लिए कथा स्थल के पास ही पार्किंग व सुरक्षा के लिए 5 हजार कार्यकर्ता व दो सौ महिला-पुरुष बाउंसर तैनात होंगे।

लाइव इवेंट

दोनों हाथों में चार अंगुलियां, एशिया पैरा आर्म रेसलिंग में श्रीमंत ने जीता गोल्ड

रायपुर। छत्तीसगढ़ के पैरा आर्म रेसलर (दिव्यांग पंजा कुश्ती) श्रीमंत झा ने भारत के लिए गोल्ड मेडल जीता है। इस मेडल को श्रीमंत ने आर्म फोर्सेस के जवानों को डेडिकेट किया है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने श्रीमंत को इस जीत पर बधाई देते हुए सोशल मीडिया पर लिखा कि, देश और प्रदेश को गर्व करने का मौका इस खिलाड़ी ने दिया है।दुनिया के तीसरे और एशिया के नंबर-1 आर्म रेसलर श्रीमंत झा ने एशिया पैरा-आर्म रेसलिंग चैंपियनशिप 2024 में 85+ किलोग्राम वर्ग में भाग लिया था। उन्होंने उज्बेकिस्तान में आयोजित एशिया पैरा-आर्म रेसलिंग चैंपियनशिप गोल्ड जीता है। यह टूर्नामेंट 20 मई को शुरू हुआ था। यहां स्वर्ण पदक जीतने के बाद श्रीमंत झा ने मोल्दोवा में विश्व पैरा आर्म रेसलिंग चैंपियनशिप के लिए क्वालीफाई किया।

राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में लोहा मनवाया

श्रीमंत झा ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए अच्छी तैयारी की है। अब आगामी अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट पर ध्यान केंद्रित करूंगा। यह मेरे लिए एक विशेष जीत है। निश्चित रूप से भारत को फिर से गौरवान्वित करने की कोशिश करूंगा। श्रीमंत छत्तीसगढ़ के भिलाई के रहने वाले हैं। उन्होंने इससे पहले भी कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में अपना लोहा मनवाया है। अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर चुके हैं। कई स्वर्ण पदक जीत चुके हैं। श्रीमंत झा अब तक 48 अंतरराष्ट्रीय पदक जीत चुके हैं। दोनों हाथों में चार अंगुलियों के साथ पैदा हुए 30 साल के खिलाड़ी ने इससे पहले सितंबर में कजाकिस्तान में आयोजित पैरा-आर्म रेसलिंग विश्व चैम्पियनशिप और पिछले साल संयुक्त अरब अमीरात में एशिया चैम्पियनशिप में कांस्य और रजत पदक जीता था।

सिटी इवेंट

जीवन में क्लास दसवीं टर्निंग पॉइंट इसके बाद ही बनता है भविष्य

रायपुर। सिंधी काउंसिल ऑफ इंडिया छत्तीसगढ़ इकाई द्वारा प्रतिभा सम्मान समारोह अंबुजा मॉल में आयोजित किया गया, जिसमें 200 बच्चों को सम्मानित किया गया। एग्जाम में जो बच्चे 80 प्रतिशत से ऊपर अंक लाए हैं, ऐसे बच्चों को शिक्षा मंत्री बृजमोहन अग्रवाल द्वारा सम्मानित किया गया। उन्होंने कहा कि कक्षा दसवीं से बच्चों का टर्निंग पॉइंट है, इसी के बाद से बच्चा अपने आने वाले कल का भविष्य तय करता है। आज के युग में हर पैरेंट्स चाहता है कि मेरा बच्चा अच्छे से पढ़-लिखकर अच्छी डिग्री हासिल करे। सिंधी काउंसिल के प्रदेश अध्यक्ष ललित जैसिंघ ने कहा, हम प्रतिभा सम्मान के साथ कैरियर काउंसिलिंग का भी आयोजन कर रहे हैं। महिला विंग की राशि बलवानी एवम जूही दरयानी समेत इवेंट मैनेजमेंट अनिल जोतसिंघानी द्वारा अयोजित किया गया। मोटिवेशनल स्पीकर डॉ. जवाहर सूरीशेट्टी, संदीप गांधी, मुकेश शाह, अलकशेंद्र मोगरे एवं सिंधी काउंसिल के प्रदेश अध्यक्ष ललित जैसिंघ, अमर गिदवानी, तेजकुमार बजाज, कमल विधवानी, महेश खिलनानी, रवि तलरेजा, डिंपल शर्मा, कशिश खेमानी, दीपिका जेठानी, सोनिया निंज्यानी, मानसी कुकरेजा उपस्थित थे।

पर्यावरण मित्रों ने स्वच्छ अवंति का लिया संकल्प

रायपुर। अब शहर के पर्यावरण मित्र स्वच्छ अवंति का संकल्प लेकर इसकी बेहतरी के लिए काम करने वाले हैं। इसके लिए रविवार की सुबह 7 बजे पानी टंकी गार्डन में पर्यावरण मित्र अवंति विहार के सदस्यों ने पहली बार बैठक की। इसमें पर्यावरण संरक्षण विषय पर चर्चा की गई। मुख्य वक्ता नितिन सिंघवी ने कहा कि प्रकृति से यथासंभव कम से कम छेड़खानी करें। तालाब को सौंदर्यीकरण के नाम पर उनके मेड़ों को कंक्रीट करने से बचें। पार्षद प्रमोद मिश्रा ने कहा, सूखा एवं गीला कचरा अलग-अलग रखें, इससे निगम के सफाईकर्मियों को मदद मिलती है। वहीं श्रवण कुमार राठौर ने पर्यावरण संरक्षण के लिए वर्षा जल के संरक्षण एवं संग्रहण पर जोर दिया। बीआर साहू ने बताया कि उन्होंने टेकारी में विद्यालय को हरियर विद्यालय बनाने के लिए काम किया। इसके लिए लगभग 3000 पेड़ लगाएं। वर्तमान में 500 वृक्ष लहलहा रहे हैं। पंकज गुप्ता ने सभी को छोटे-छोटे प्रयास से एक दिन बड़ी उपलब्धि में बदलने की सलाह देते हुए संकल्प को साकार करने के लिए कहा।

कार्नर न्यूज

मेनोपॉज, पीसीओडी और पीसीओएस पर इंटरनेशनल वर्कशॉप

देश में मेनोपॉज के बाद हड्डियों की सबसे अधिक समस्या, इससे बचने रोजाना सुबह 30 मिनट धूप में बैठें, शरीर रहेगा तंदुरुस्त

रायपुर। योग ज्योति संस्थान द्वारा एक दिवसीय इंटरनेशनल वर्कशॉप का आयोजन किया गया, जिसका मुख्य विषय मेनोपॉज, पीसीओडी और पीसीओएस रखा गया। इस दौरान लंदन, बैंकाक, अमेरिका, दिल्ली, मुंबई, राजस्थान, कोलकाता, गुजरात, ओडिशा और प्रदेश के बिलासपुर, जशपुर, धमतरी, बेमेतरा, कवर्धा, राजनांदगांव, दुर्ग, सरगुजा, महासमुंद जैसे कई स्थानों से महिलाएं एवं युवा शामिल हुए। वर्कशॉप का आयोजन चार सेशन में किया गया, इसमें पहले सेशन की वक्ता डॉ. शालिनी जैन, दूसरे सेशन में डॉ. ज्योत्सना गांधी, तीसरे सेशन में डॉ. शिल्पी गोयल और चौथे सेशन में ज्योति साहू मौजूद रहीं। ऑनलाइन एवं ऑफलाइन वर्कशॉप में 100 से अधिक लोग शामिल हुए।

पीसीओडी होने पर दिनचर्या में सुधार जरूरी

योग ज्योति से ज्योति साहू ने पीसीओडी और पीसीओएस होने पर योग संबंधित जानकारी दी। उन्होंने बताया, पीसीओडी होने पर योग के कई आसन लाभदायक हो सकते हैं। इसमें सूर्य नमस्कार, तितली आसन, बद्धकोण आसन, पर्वतासन जरूर करें। पीसीओडी समस्या होने का मुख्य कारण जीवनशैली में बदलाव, अनहेल्दी भोजन होता है। वर्तमान समय में कई महिलाएं आठ घंटे की नींद पूरी नहीं करतीं, यह भी एक कारण है। पीसीओडी में मोटापे की समस्या देखने को मिलती है, इस मौके पर योग के विभिन्न आसन फायदेमंद हैं। रोजाना नियमित भोजन, दिनचर्या में सुधार और योग से पीसीओडी की समस्या दूर की जा सकती है।

मेनोपॉज एक नेचुरल प्रोसेस

डॉ. ज्योत्सना गांधी ने बताया, मेनोपॉज सभी महिलाओं के जीवन में नेचुरल प्रोसेस है। इसे सामान्य तौर पर लेना चाहिए। डॉ. गांधी ने वर्कशॉप में मेनोपॉज से संबंधित कई विषयों पर क्रमबद्ध जानकारी देते हुए कहा, मेनोपॉज के बाद हड्डियों की सबसे अधिक समस्या देखने को मिलती है, इस दौरान शरीर को तंदुरुस्त रखने की आवश्यकता है। इसके लिए महिलाओं को कैल्शियम और विटामिन की जरूरत होती है। सभी रोजाना 30 मिनट धूप में बैठें और 30 से 40 मिनट रोजाना प्राणायाम जरूर करें। इस दौरान हेल्दी डाइट चार्ट के टिप्स भी दिए गए, इसमें रोजाना एक गिलास दूध, दही और दाल को शामिल किया गया।

सिटी इवेंट

मेडिकल कैंप में 400 लोगों को मिली निशुल्क चिकित्सा सुविधा

रायपुर। कुछ फर्ज हमारा भी संस्था द्वारा संस्थान के छह वर्ष पूर्ण होने पर निशुल्क मेडिकल कैंप का आयोजन किया गया। भाठागांव, मठपुरैना में लगाए गए शिविर में शहरवासियों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया, जहां बीपी, शुगर, सीबीसी की जांच की गई। इस अवसर पर बच्चों संग बुजुर्गों ने भी जांच कराई। बीते 6 सालों से संस्थान द्वारा निशुल्क भोजन, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं स्वच्छता के लिए कार्य किया जा रहा है। शिविर के दौरान बच्चों संग उनके परिजन स्वास्थ्य जांच कराते नजर आए। स्वास्थ्य शिविर का आयोजन मठपुरैना स्थित श्यामा प्रसाद मुखर्जी भवन में किया गया, जिसमें 400 से अधिक लोगों ने जांच कराई।

संस्था ने पूरे किए 6 साल

संस्था के साथ राजेंद्र नगर स्थित निजी अस्पताल ने सहयोग किया, इस दौरान फिजियोथेरेपी के लिए डॉ. दीपा मौजूद रहीं। सुबह से आयोजित स्वास्थ्य शिविर में लोगों के लिए भोजन की व्यवस्था भी की गई। कार्यक्रम में संस्था के अध्यक्ष नितिन सिंह राजपूत, संरक्षक राकेश अग्रवाल, सचिव स्मारिका राजपूत, परिवेश गुप्ता, अंकित गोयल, कोषाध्यक्ष रजत अग्रवाल, अतुल तिवारी, सुनील गोयल, समीर गोयल, विजय गुप्ता, राज साहू, भूपेंद्र देवांगन, प्रखर अग्रवाल, उदित अग्रवाल, विनीत अग्रवाल, नरेंद्र शर्मा, सुमित वर्मा, नरेंद्र पटेल आदि मौजूद रहे।

सिटी लाइव

उद्योगों में सिपेट की भूमिका समझने छात्रों ने किया शैक्षणिक भ्रमण

रायपुर। छत्तीसगढ़ युवा विकास संगठन द्वारा संचालित विप्र कला, वाणिज्य एवं शारीरिक शिक्षा महाविद्यालय द्वारा विद्यार्थियों के लिए शैक्षणिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान बीबीए और एम-कॉम के 40 से अधिक विद्यार्थियों को शामिल किया गया। जिन्हें भनपुरी स्थित सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ प्लास्टिक इंजीनियरिंग एंड टेक्नालॉजी में भ्रमण कराया गया। इस अवसर पर प्रशिक्षकों ने छात्रों को उद्यमिता में सिपेट की भूमिका की जानकारी दी। साथ ही कहा कि यदि कोई विद्यार्थी नवीन परिवर्तन के साथ बाजार में उत्पाद विक्रय के लिए प्रवेश करना चाहते हैं तो सिपेट उत्पाद डिजाइन सबसे अच्छा माध्यम है, जिसका निर्माण न्यूनतम लागत में उत्पादन की प्रक्रिया में साथ होता है। देश में 40 सिपेट हैं, इनमें दो सिपेट छत्तीसगढ़ में हैं।

प्लास्टिक उद्योग की कार्यप्रणाली

दो घंटे निरंतर चलने वाले कार्यक्रम में छात्रों को विभिन्न विषयों पर क्रमबद्ध जानकारी दी गई। इस दौरान डॉ. आराधना शुक्ला, डॉ. दीपशिखा शर्मा, राजेश तिवारी और ज्ञानेंद्र मौजूद रहे। जिन्होंने बताया, प्रत्येक वर्ष लगातार प्लास्टिक में इनोवेशन हो रहा है। इसमें नए सेगमेंट को ग्रहण किया जा रहा। प्लास्टिक उद्योग की उपरोक्त जानकारी के साथ सिपेट के अधिकारियों ने उत्पादों की किस्म, असेंबलिंग और प्रक्रिया उत्पादन की जानकारी साझा की।

समाज इवेंट

महाराष्ट्र मंडल के आजीवन सदस्यता शुल्क में हजार रुपए की बढ़ोतरी

रायपुर। महाराष्ट्र मंडल में रविवार की सुबह विशेष साधारण सभा का आयोजन किया गया। इस दौरान मंडल के संविधान में संशोधन पर चर्चा की गई। सभा में मंडल का आजीवन सदस्यता शुल्क 1500 से बढ़ाकर 2500 रुपए कर दिया गया है। वहीं वार्षिक सदस्यता 500 रुपए तय की गई। इस मौके पर संविधान संशोधन समिति के सदस्य प्रसन्न निमोणकर ने बताया, सभासदों के समक्ष संविधान संशोधन से संबंधित सभी जानकारियां प्रस्तुत की गई हैं। इस अवसर पर यह संशोधन क्यों जरूरी है, यह समझाया गया। सदस्यों ने सर्वसम्मति से संविधान संशोधन प्रस्तावों का अनुमोदन किया है। साथ ही संस्थान के सदस्यों संग विभिन्न विषयों पर गंभीरता से चर्चा की गई है।

जून में होंगे ये कार्यक्रम

मंडल के सचिव चेतन दंडवते और उपाध्यक्ष श्यामसुंदर खंगन ने सदस्य द्वारा पूछे गए प्रश्नों के जवाब दिए, जिसमें बीते वर्ष मंडल द्वारा कितना खर्च किया गया, आने वाले दिनों में किन कार्य पर खर्च किया जाएगा, इसकी जानकारी दी गई। कार्यक्रम के दौरान अध्यक्ष अजय काले ने बताया, 5 जून को मंडल द्वारा पर्यावरण दिवस पर पर्यावरण समिति द्वारा पौधारोपण और व्याख्यान का कार्यक्रम किया जाएगा। साथ ही 6 जून को छत्रपति शिवाजी महाराज का राज्याभिषेक दिवस मनाया जाएगा।

● योग दिवस को लेकर शहर में तैयारी, बीटीआई और साइंस मैदान में होगा बड़ा आयोजन

योग दिवस पर गांव-बस्तियों में लगेंगे शिविर, मैदान से गार्डन तक एक साथ योगाभ्यास कर बनाएंगे रिकार्ड

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को लेकर शहर में तैयारियां योग संस्थाओं ने शुरू कर दी हैं। लोगों को योग से जोड़ने के लिए इस बार शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक अनेक जगह आयोजन किए जाएंगे। इसके लिए सुबह रोजाना गार्डन में योग की क्लास लगाई जा रही है।

रायपुर। योग आयोग के साथ-साथ योग की सामाजिक संस्था सूर्योदय से पहले मेडिटेशन की धुन पर योग कर रही है। शंकर नगर स्थित बीटीआई और साइंस मैदान में इस बार योग को लेकर भव्य आयोजन किया जाएगा, जिसमें एक साथ हजारों की संख्या में लोग योगाभ्यास करते नजर आएंगे। आयोग और जिला प्रशासन चुनाव के बाद योग दिवस की तैयारियों में जुटेगा। हरिभूमि ने शहर में दर्जनभर योग संस्थाओं से बातचीत की। उन्होंने बताया कि शहर के 25 प्रमुख गार्डन में सप्ताहभर तक निशुल्क योग प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसके अलावा किस रोग में कौन-सा योग करना चाहिए, इसकी भी जानकारी दी जाएगी। संस्थाओं का कहना है कि इस योग दिवस हमारा प्रयास है कि लोग योग को अपनी आदतों में शामिल कर लें। समर कैंप में भी तैयारियां शुरू हो चुकी हैं।

गांव में युवाओं ने लगाना शुरू किया योग शिविर

शहर के धरसींवा, आरंग और कारखानों के करीब बसे गांवों में समता कॉलोनी स्थित योग संस्था ने इस बार योग शिविर लगाने का फैसला लिया है। संस्था के आदित्य वर्मा ने बताया कि गांव में लोग योग के प्रति अब भी जागरूक नहीं हैं, इसलिए 7 दिनों का शिविर लगाया जाएगा। संस्था की 7 टीमें अलग-अलग गांवों तक जाकर लोगों को योग के बारे में बताएंगी और साथ ही योगाभ्यास भी कराया जाएगा। उन्होंने बताया कि कारखानों के करीब बसे गांव में लोगों की तबीयत काफी खराब होती है, इसलिए ऐसी जगहों पर योग शिविर में लोगों को जोड़ने का प्रयास करेंगे।

शरीर को लचीला बनाने खास प्रशिक्षण

नागपुर के योगगुरु सौरभ बोथरा इन दिनों देशभर में ऑनलाइन योग प्रशिक्षण दे रहे हैं। जिले के बड़ी संख्या में लोग इनसे जुड़े हैं। निशुल्क योग के साथ वजन कम करने और शरीर को लचीला बनाने खास प्रशिक्षण दे रहे हैं। इनका लक्ष्य है कि 21 जून विश्व योग दिवस तक देशभर से 60 लाख लोगों को योग से जोड़ेंगे। प्रतिदिन सुबह साढ़े छह बजे और शाम पांच बजे प्रशिक्षण देते हैं।

पानी के अंदर करेंगे वृक्षासन और ताड़ासन योग

पानी के भीतर योग करना शरीर के लिए काफी फायदेमंद होता है, लेकिन ज्यादातर लोगों को यह योगाभ्यास नहीं आता। शंकर नगर की योग संस्था इस बार स्वीपिंग पूल में पानी के भीतर योग करेगी। बातचीत में योगगुरु चित्रा शर्मा ने बताया कि जलयोग भी हमें बीमारियों से बचाता है। लोगों को इससे जोड़ने के लिए इस बार यह आयोजन करने जा रहे हैं। मुख्य रूप से वृक्षासन और ताड़ासन का अभ्यास करना सिखाया जाएगा। पानी के अंदर एक पैर पर खड़े होकर वृक्षासन किया जा सकता है। इससे शरीर में संतुलन जरूरी होता है। अगर पैरों की मांसपेशियों में दर्द है तो इस आसन से आप इसे दूर कर सकते हैं। इसके अलावा ताड़ासन में पानी के अंदर सीधे खड़े होकर हाथों को ऊपर कर लेने और 30-30 सेकंड के लिए 5 बार इस आसन को करने से शरीर और दिमाग का स्ट्रेस कम होता है।

महिलाओं को तनाव मुक्त रखने योग

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के एनईआई ग्रुप द्वारा प्रतिदिन सुबह छह बजे से महिलाओं को योग के विशेष गुर सिखाए जाते हैं। योगगुरु एलपी नायक और अनसुईया नायक द्वारा महिलाओं को तनावमुक्त रखने विशेष आसन सिखाए जाते हैं। खास बात ये है कि इसमें बड़ी संख्या में महिला रेलकर्मी और परिवार के सदस्य हिस्सा लेते हैं। समाज में इसका सकारात्मक असर भी दिख रहा है।

1 से 15 जून तक निशुल्क प्रशिक्षण

निरोग योग केंद्र की संचालिका सुलोचना त्रिपाठी ने बताया कि सेजबहार मैदान में 1 से 15 जून तक निशुल्क योग प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रतिदिन सुबह साढ़े सात बजे और शाम साढ़े पांच बजे प्रारंभ होगा। बच्चों को एडवांस आसन और बड़ों को मेडिटेशन भी कराया जाएगा। इसमें किसी तरह का कोई शुल्क नहीं लगेगा। बच्चों को मोबाइल से दूर रखने विशेष प्रशिक्षण भी दिया जाएगा।

● आईएएस, मोटिवेशनल स्पीकर ने दिए सफलता के टिप्स

नंबर किसी व्यक्ति की योग्यता की नहीं करता पहचान, अपनी क्षमता का जरूर करें आकलन

रायपुर। श्री दिगंबर जैन समाज पंचायत सेवा समिति द्वारा जैन यूथ मीट एवं कैरियर काउंसिलिंग कार्यक्रम रखा गया। एक दिवसीय कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य युवाओं को कैरियर संबंधित समस्याओं पर चर्चा करना रहा। कार्यक्रम की शुरुआत 'तू लाख बार गिरेगा जिंदगी के मैदान में.. तू है वो कश्ती जो ना हार माने तूफान में...से किया गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि आईएएस सुनील कुमार जैन रहे। काउंसलर ब्रह्मचारी सुनील, विशिष्ट अतिथि कैरियर काउंसिलिंग अनिल जैन, मोटिवेशनल स्पीकर विजय चोपड़ा और कैरियर काउंसलर शिवली श्रीवास्तव शामिल रहे। कार्यक्रम के दौरान मनीष जैन, अजय जैन, विजय कस्तूरे, अमित जैन, संतोष जैन, माया जैन, सुधांशु जैन, विपुल जैन, अमिताप जैन, अमित जैन, देवेंद्र जैन, प्रतीक जैन, स्नेह जैन, सुजीत जैन, स्वतंत्र जैन, प्रसंग जैन, सोनल मनीष जैन मौजूद रहे।

वक्त के साथ बदलाव जरूरी

आईएएस सुनील कुमार जैन ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा, दुनिया में आगे बढ़ने के लिए व्यक्ति के पास शिक्षा होना आवश्यक है। शिक्षा का मतलब केवल नौकरी पाना नहीं होता। पूरी दुनिया में शिक्षा के लिए सबसे ज्यादा प्रतिस्पर्धा केवल भारत में है। शिक्षा का उद्देश्य अपने आप को सीमित करने का नहीं होना चाहिए। समय और परिस्थिति के साथ व्यक्ति में बदलाव आवश्यक है। स्कूली शिक्षा के वक्त जो लोग हमसे आगे थे, वे आज कुछ नहीं कर रहे। वहीं जो कुछ नही थे, वो बहुत कुछ बन गए हैं। नंबर कम आना या ज्यादा आना किसी की योग्यता की पहचान नहीं है। हर किसी को अपनी क्षमता का आकलन जरूर करना चाहिए और उसी के अनुसार कार्य करना चाहिए।

असफलता को बनाएं अपनी ताकत

ब्रह्मचारी सुनील ने संबोधन के दौरान धर्म और कर्म की बात कही। धर्म क्या है? किसी व्यक्ति का स्वभाव ही धर्म है। जैसे एक डॉक्टर का धर्म मरीज को ठीक करना है। पानी का धर्म शीतलता देना है। प्रत्येक जीव का धर्म सुखी होना और सुख पाना है। हर व्यक्ति सुख पाना चाहता है और वह सुख उसे धर्म के माध्यम से प्राप्त हो सकता है। मोटिवेशनल स्पीकर विजय चोपड़ा ने बताया, हमें अपने इंट्रेस्ट, स्कोप, परिवार के अलावा अपनी पर्सनैलिटी के आधार पर कैरियर का चयन करना होगा। इसमें आपकी रुचि महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। विद्यार्थी जीवन में परीक्षा का सामना करना पड़ता है, जिसमें कुछ छात्र परीक्षा परिणाम से डरते हैं। अपना लक्ष्य निर्धारित कर कार्य करते चलें, व्यक्ति को असफल होने से डरना नहीं चाहिए।

राष्ट्र को सर्वोपरि बनाए रखने सिर्फ पाने ही नहीं, खोने के लिए भी रहें तैयार

रायपुर। राष्ट्र सर्वोपरि की भावना को समझने से पहले राष्ट्र शब्द के अर्थ को समझना होगा। अक्सर देश और राष्ट्र को एक ही शब्द समझा जाता है, जबकि ऐसा नहीं है। देश एक भौगोलिक क्षेत्र है, जो मान्यता प्राप्त होता है। इसके अपने अलग नियम-कानून होते हैं। जहां अलग-अलग धर्म, जाति, संप्रदाय, बोली, भाषा के लोग रहते हैं, वह राष्ट्र है। जो किसी भी देश में रहने वाले लोगों को जोड़ता है। राष्ट्र की बात करते समय उस देश की संस्कृति ,उसकी मूल भावना, उसके इतिहास, वहां रहने वाले लोगों की भावना को प्राथमिकता दी जाती है। यह बात रविवार को पूज्य शदाणी दरबार तीर्थ में आयोजित ज्ञानवर्धक शिविर में पीठाधीश डॉ. युधिष्ठिर लाल महाराज की मौजूदगी में मोटिवेशनल स्पीकर अमित चिमनानी ने कही। इस शिविर में उन्हें सुनने के लिए हजार से ज्यादा बच्चे मौजूद थे।

निजी त्याग भी करना पड़ता है

युवाओं को पूर्व राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम का एक किस्सा सुनाते हुए कहा कि राष्ट्र को सर्वोपरि रखने कई बार स्वहित को त्यागना पड़ता है। कई बार बहुत कुछ खोना भी पड़ता है। पूर्व राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम ने राष्ट्रपति रहते हुए एक बार अपने परिवार के सदस्यों को राष्ट्रपति भवन में बुलाया, जहां उनके परिवार के लोग 8 दिन तक रहे। उनके जाने के बाद उन्होंने 3 लाख 52 हजार रुपए का चेक राष्ट्रपति भवन को सौंपा था। जब उनसे सवाल किया गया कि आपने ऐसा क्यों किया, वो तो आपका परिवार है। ऐसा नहीं करते तो भी कोई दिक्कत नहीं थी। तब उन्होंने कहा कि सरकार मेरा खर्चा तो उठाती है, लेकिन परिवार का नहीं।

जो सर्वोपरि रखे, उनका वंदन करें

उन्होंने कहा कि राष्ट्र को सर्वोपरि रखने खुद में राष्ट्र के प्रति भाव जगाकर काम करने के साथ जो लोग, संस्थाएं, राजनीतिक दल राष्ट्र को सर्वोपरि मान रहे हैं, उसका खुला समर्थन करना चाहिए, उनकी बातों को जन-जन तक पहुंचाने प्रयास करना चाहिए, क्योंकि राष्ट्रहित स्वयं अच्छे काम करने के साथ अन्य राष्ट्रवादियों द्वारा किए कार्यों से प्रेरणा लेने और उनके कार्यों को सभी तक पहुंचाने में भी निहित है। भारत का युवा इस बात को तय कर चुका है कि वह भारत के खिलाफ कोई बात नहीं सुनेगा और ऐसा करने वालों का विरोध करेगा। राष्ट्र सर्वोपरि रखने वालों के लिए यह भी एक तरह की प्राथमिकता है।

● मेडिकल कॉलेज सभागार में कार्यक्रम, समाज को आगे बढ़ाने पर हुई चर्चा

चित्रांशोत्सव में एकजुट हुआ कायस्थ समाज, शोभायात्रा में छलका उत्साह

कार्नर न्यूज

रायपुर। कायस्थ समाज की ओर से रविवार को मेडिकल कॉलेज सभागार में चित्रांशोत्सव का आयोजन किया गया। दोपहर से रात तक चले कार्यक्रम में सामाजिक बंधु उत्साह से शामिल हुए। पूजा-अर्चना, शोभायात्रा के बाद रात्रि में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आनंद लिया। साथ ही समाज को आगे बढ़ाने के लिए अतिथियों ने बालिका शिक्षा, रोजगार प्रशिक्षण, युवक-युवती सम्मेलन और सामूहिक विवाह जैसे आयोजन करने पर जोर दिया। समाज के संजय श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मेडिकल कॉलेज सभागार में पूजा-अर्चना व आरती पश्चात शोभायात्रा निकाली गई। सुसज्जित वाहनों पर भगवान चित्रगुप्त की झांकी को विराजित कर गाजे-बाजे के साथ निकली शोभायात्रा में शामिल युवाओं ने सफेद कुर्ता-पायजामा व केसरिया दुपट्टा और युवतियों ने लाल रंग का परिधान धारण कर रखा था। उत्साहित युवा आतिशबाजी करते और जयकारे लगाते चल रहे थे। शोभायात्रा का जगह-जगह स्वागत किया गया। शोभायात्रा फाफाडीह चौक, स्टेशन रोड, नहरपारा, केनाल रोड होते हुए वापस मेडिकल कॉलेज सभागार पहुंची।

सिंधु एकता संघ ने किया स्वागत

सिंधु एकता संघ सिंधी समाज द्वारा कचहरी चौक कृष्णा कांप्लेक्स के बाहर चित्रांशोत्सव का भव्य स्वागत किया गया। सर्वप्रथम पटाखे फोड़कर स्वागत किया गया। इसके बाद भगवान चित्रगुप्त की तस्वीर पर माल्यार्पण किया गया। पश्चात सभी चित्रांश बंधुओं के बीच प्रसाद वितरण किया गया, जिसमें मुख्य रूप से स्वल्पाहार व मठा वितरण शामिल था। स्वागत में मुख्य रूप से सुभाष बजाज, सुरेंद्र जेसरानी, बंटी बसरानी, चंदन पंजवानी, संगीत बजाज, अविनाश मेठानी, शुभम वाधवानी, दरवेश करवानी आदि समाजजन शामिल रहे।

राष्ट्र की प्रगति में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा समाज

चित्रांशोत्सव कार्यक्रम में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने कहा कि कायस्थ समाज के ईष्टदेव भगवान चित्रगुप्त के आशीर्वाद से आज कायस्थ समाज छत्तीसगढ़ समेत समूचे राष्ट्र की प्रगति में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। अन्य अतिथियों ने समाज को संगठित होने पर जोर दिया। सांस्कृतिक कार्यक्रम में बच्चों और युवाओं ने मनमोहक प्रस्तुति दी।

ज्योतिष शास्त्र

इन राशि के लोगों को 3 जून से मिलेगा भाग्य का पूरा साथ, छप्पड़ फाड़ बरसेगा धन

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार हर ग्रह एक निश्चित समय के बाद राशि परिवर्तन करता है। ग्रहों की इस प्रक्रिया की वजह से राशिचक्र पर शुभ-अशुभ प्रभाव होते है। ग्रहों के उल्टी और सीधी चाल का प्रभाव भी राशिचक्र पर होता है। इसी कड़ी में आगामी 03 जून सोमवार को रात 3 बजकर 21 मिनट पर वृषभ राशि में गुरु उदय होगा। गुरु उदय का शुभ प्रभाव राशिचक्र की 3 राशियों पर होने वाला है। चलिए जानते है उनके बारे में।

वृषभ राशि - ज्योतिष शास्त्र के अनुसार वृषभ राशि में गुरु उदय होने जा रहा है। गुरु वृषभ राशि में गोचर करेंगे तो इस राशि के जातकों को विशेष लाभ प्राप्त होंगे। इन जातकों की आर्थिक स्तिथि में जबरदस्त मजबूती देखने को मिलेगी। साथ ही इनकी आय में भी बढ़ोतरी होगी। वृषभ राशि के नौकरीपेशा लोगों के वेतन में बढ़ोतरी होने की संभावना बनेगी। इसके अलावा कार्यक्षेत्र में अपने लक्ष्य की प्राप्ति के लिए पहले से कड़ी मेहनत करनी होगी, जिसका लाभ भी मिलेगा।

कर्क राशि - ज्योतिष शास्त्र के अनुसार वृषभ राशि में गुरु उदय का शुभ प्रभाव कर्क राशि के जातकों को भी मिलेगा। इन जातकों को भाग्य का भरपूर सहयोग मिलेगा। साथ ही इनके अटके हुए काम भी पूरे होने के योग बनेंगे। जातकों के आत्मविश्वास में बढ़ोतरी होगी। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में लग रहे तथा विदेश में पढ़ाई करने का सपना देख रहे छात्रों को सफलता मिलने की संभावना बन रही है। जीवनसाथी के साथ प्रेम बढ़ेगा।

सिंह राशि - ज्योतिष शास्त्र के अनुसार गुरु उदित होने से सिंह राशि वालों के व्यापारियों को आर्थिक लाभ होने जा रहे हैं। नौकरीपेशा लोगों को कार्यक्षेत्र में सुखद परिणाम प्राप्त होंगे। इन जातकों के वेतन में भी बढ़ोतरी देखने को मिलेगी। साथ ही प्रमोशन मिलने की चांस भी अधिक है। नौकरी परिवर्तन की योजना सफल हो सकती है। व्यापारियों को बड़ा धन लाभ और कारोबार विस्तार हो सकता है। गुरु उदय के चलते जातकों को आर्थिक स्थिति मजबूत होगी।

मंगल ग्रह 1 जून को करेंगे राशि परिवर्तन, दिलाएंगे मनचाही सफलता

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार हर ग्रह एक निश्चित समय के बाद राशि परिवर्तन करते है। इस परिवर्तन को गोचर के नाम से जाना जाता है। इसी कड़ी में जून महीने में मंगल ग्रह अपना स्थान परिवर्तन करेंगे। मंगल के इस गोचर का शुभ लाभ चार अलग-अलग राशियों को होने वाला है। लाल ग्रह के नाम से पहचाने जाने वाले मंगल ग्रह को पराक्रम, साहस, शक्ति, ऊर्जा आदि का कारक माना गया है। किसी भी व्यक्ति की कुंडली में मंगल की स्थिति मजबूत होने पर उसके जीवन में पद-प्रतिष्ठा में बढ़ोतरी देखने को मिलती है। साथ ही व्यक्ति साहसी, निडर और ऊर्जावान भी बनता है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार 01 जून को मंगल मेष राशि में प्रवेश करेंगे। इस दौरान कई शुभ योग निर्मित होंगे, जिससे नीचे दी गई चार राशियों को लाभ होने वाला है।

मेष राशि- मंगल गोचर मेष राशि के जातकों के लिए किसी वरदान से कम नहीं होगा। इसके प्रभाव से छात्रों को प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग बनेंगे। साथ ही रियल एस्टेट अथवा प्रॉपर्टी से जुड़े व्यवसाय में अच्छे लाभ के अवसर बनेंगे। इसके अलावा इस राशि के जातकों के विदेश जाने के अवसर बन सकते है।

धनु राशि- मंगल के राशि परिवर्तन से धनु राशि के जातकों को इंपोर्ट और एक्सपोर्ट के कारोबार में फायदा मिलेगा। इन्हें कारोबार में अच्छा मुनाफा मिल सकता है। इन जातकों को विदेश जाकर पढ़ाई करने का अवसर प्राप्त होगा। साथ ही भाई-बहनों का साथ मिलेगा और परिवार के साथ क्वालिटी समय व्यतीत होगा।

कुंभ राशि- कुंभ राशि के जातकों को भी मंगल गोचर का लाभ मिलने वाला है। व्यापार के लिहाज से धन निवेश करेंगे तो अच्छा लाभ मिलने के योग निर्मित होंगे। कोर्ट-कचहरी के मामले सुलझ सकेंगे। साथ ही नौकरीपेशा लोगों को प्रमोशन और सैलरी में बढ़ोतरी मिलेगी। जीवनसाथी की सेहत चिंता में डाल सकती है।

मीन राशि- मंगल के गोचर का अनुकूल परिणाम मीन राशि के लोगों पर भी दिखाई देगा। इन राशि के जातकों को हर मामले में सफलता मिलती दिखाई दे रही है। मनचाही नौकरी के अवसर प्राप्त हो सकते है। साथ ही नौकरी में प्रमोशन के योग भी बन रहे है। विदेश जाने के अवसर खुलेंगे।

किसी को इलायची से बना शरबत दिया जाए तो उसके पूरे शरीर में घुल सकती है ठंडक

पेट की जलन दूर करेगा इलायची का शरबत एसिटिडी भी खत्म होगी, इस तरीके से करें तैयार

इलायची का शरबत बॉडी कूल रखने में बेहद मददगार होता है। इलायची की तासीर ठंडी होती है और इससे बना शरबत तरोताजा रखने के साथ शरीर को ठंडा भी रखता है। इलायची में एटी बैक्टीरियल और एंटी एलर्जिक प्रॉपर्टीज भी पायी जाती है जो शरीर को स्वस्थ्य रखने का काम करती है। इलायची का शरबत पेट की गर्मी शांत करने के साथ ही एसिडिटी को कम करने में भी मदद करता है।

गर्मी के दिनों में जब सूरज आग उगल रहा है उस वक्त किसी को इलायची से बना शरबत परोस दिया जाए तो उसके पूरे शरीर में ठंडक घुल सकती है। इलायची का शरबत बहुत लाभकारी होने के साथ बनाने में भी आसान होता है।

इलायची शरबत कैसे बनाएं?

सामग्री
इलायची पाउडर - 1 टी स्पून
चीनी - स्वादानुसार
काला नमक - 1/2 टी स्पून
नींबू रस - 2 टी स्पून
नींबू स्लाइस - 2
आइस क्यूब्स - 8-10
ठंडा पानी - 4 कप

इलायची शरबत बनाने का तरीका

गर्मी के दिनों में इलायची शरबत पीना बहुत फायदा करता है। इसे बनाना भी बहुत सरल है। इसके लिए सबसे पहले इलायची को छीलें और उसके दाने निकालकर खलबत्ते में कूटकर पाउडर बना लें। इसके बाद एक बड़ा बर्तन लें और उसमें 4 कप ठंडा पानी डालें। इसके लिए पानी को पहले से ही फ्रिज में ठंडा करने के लिए रख सकते हैं। अब पानी में स्वादानुसार चीनी डालकर घोलें। इसके बाद पानी में काला नमक, नींबू का रस और इलायची का पाउडर डालकर चम्मच की मदद से सभी चीजों को घोल लें। इसके बाद शरबत वाले बर्तन में 5-6 बर्फ के टुकड़े डालकर 1-2 मिनट के लिए छोड़ दें। इससे शरबत एकदम ठंडा हो जाएगा। इसके बाद इलायची शरबत को गिलास में डाल दें और ऊपर से एक-दो आइस क्यूब्स डालकर सभी सर्व करें।

इलायची शरबत के फायदे

इलायची का शरबत पीने से शरीर को कई तरह के लाभ मिलते हैं। गर्मी में पेट संबंधी समस्याओं में इलायची का शरबत लाभकारी होती है। इससे पेट की जलन दूर होती है और एसिडिटी की समस्या में भी राहत मिलती है। इलायची का शरबत शरीर में शीतलता प्रदान करने के साथ बॉडी को डिहाइड्रेशन से बचाता है। इलायची में पायी जाने वाली प्रॉपर्टीज कोलेस्ट्रॉल घटाकर दिल को हेल्दी बनाए रखती हैं। इलायची शरबत पीने से मुंहासे की समस्या में भी कमी आती है।

लटकती तोंद सबके सामने कर देती है शर्मिंदा, इन टिप्स से पेट हो जाएगा अंदर

बढ़ता वजन किसी की भी पेशानी पर शिकन लाने के लिए काफी है। बहुत से लोग अपनी लटकती तोंद की वजह से बेहद परेशान रहते हैं। बढ़ा हुआ पेट न सिर्फ आपको बेडौल बना देता है, बल्कि इस वजह से कई बीमारियों के होने का खतरा भी बढ़ जाता है। आप अगर लाइफस्टाइल कंट्रोल करने के बाद भी वजन कम नहीं कर पा रहे हैं तो पेट और कमर की चर्बी कम करने में कुछ घरेलू उपाय आपकी मदद कर सकते हैं।

मोटापा किसी को भी परेशान कर सकता है। लटकती तोंद की वजह से आपको शर्मिंदा होना पड़ता है तो कुछ घरेलू टिप्स वजन घटाने में आपके काम आ सकते हैं। बता दें कि ज्यादातर मामलों में मोटापे की बड़ी वजह आपकी खराब जीवनशैली होती है। आप अगर अपने बढ़े हुए वजन से मुक्ति पाना चाहते हैं तो कुछ घरेलू उपाय आजमा सकते हैं। कुछ ही दिनों में इन घरेलू उपायों का असर आपको देखने को मिल सकता है।

5 घरेलू उपाय कम कर सकते हैं मोटापा

दालचीनी का घरेलू नुस्खा - एंटी बैक्टीरियल गुणों से भरपूर दालचीनी मेटाबॉल्जिम को तेज कर वजन घटाने में मददगार होती है। इसका घरेलू नुस्खा बेहद असरदार हो सकता है। सबसे पहले 200 मिलीग्राम पानी लें और उसमें 5-6 ग्राम दालचीनी पाउडर डालकर 15 मिनट उबालें। पानी को छानें और गुनगुना होने दें, फिर इसमें एक चम्मच शहद मिलाकर सुबह और रात खाली पेट पिएं।

अदरक-शहद का घरेलू नुस्खा

वजन घटाने में अदरक और शहद का घरेलू नुस्खा भी कारगर होता है। इसके लिए 30 मिलीग्राम अदरक का रस लें और उसमें 2 चम्मच शहद मिक्स करें। इसे पीने से मेटाबॉलिज्म फास्ट हो जाएगा और एक्स्ट्रा फैट तेजी से कम होगा। इस नुस्खे को भी सुबह और रात में खाली पेट लेना फायदेमंद होता है।

सेब के सिरके का घरेलू नुस्खा

लटकती तोंद को कम करने में सेब के सिरके का घरेलू नुस्खा भी असरदार होता है। इसके लिए एक गिलास पानी लें और उसमें एक चम्मच सेब का सिरका डालें और फिर 1 चम्मच नींबू रस भी मिला दें। इसे पीने से पेट लंबे वक्त तक भरा महसूस होता है और यह लिवर में जमे फैट को भी कम करता है।

अश्वगंधा का घरेलू नुस्खा - आयुर्वेद में अश्वगंधा को बेहद गुणी औषधि बताया गया है। इस नुस्खे के लिए अश्वगंधा के दो पत्ते लें और उनका पेस्ट बनाएं। इसे सुबह खाली पेट गरम पानी के साथ सेवन करें। कुछ ही वक्त में पेट की चर्बी कम होती दिखाई दे सकती है।

इलायची का घरेलू नुस्खा - खाने के बाद माउथ फ्रेशनर के तौर पर बहुत से लोग इलायची खाते हैं। भोजन में भी इसका जमकर उपयोग होता है। वजन कम करने में भी इलायची का नुस्खा काम कर सकता है। इसके लिए रात में सोने से पहले दो इलायची खाएं और गर्म पानी पीकर सो जाएं। कुछ ही वक्त में वजन कम होने के रूप में नुस्खे का असर दिख सकता है।

मेहंदी लगाते वक्त की गलतियां इस्तेमाल से पहले जानें सही तरीका

बालों के लिए मेहंदी का इस्तेमाल काफी फायदेमंद होता है। यही वजह है कि बालों को नेचुरल कलर देने या बालों को सॉफ्ट सिल्की बनाने के लिए सदियों से इसका इस्तेमाल हेयर केयर में किया जाता रहा है। मेहंदी की मदद से आप बालों को कलर भी कर सकते हैं और ग्रे बालों की समस्या को दूर कर सकते हैं। चूंकि इसमें केमिकल नहीं होता इसलिए हेयर कलर के तौर पर इसका इस्तेमाल काफी फेमस है लेकिन मेहंदी बालों में अधिक से अधिक फायदा पहुंचाए, इसके लिए जरूरी है कि इसे सही तरीके से इस्तेमाल में लाया जाए। यहां हम बता रहे हैं कि बालों में जब भी मेहंदी लगाएं तो किन गलतियों को करने से बचें।

तुरंत घोलकर नहीं लगाना चाहिए

बालों में अगर मेहंदी का रंग अच्छी तरह चढ़ाना है तो जरूरी है कि इसे कम से कम 12 घंटे जरूर भिगोकर रखें। इस तरह मेहंदी का रंग अच्छे से चढ़ेगा। बेहतर होगा कि आप लोहे के बर्तन में इसे एक दिन पहले घोल कर रख दें और दूसरे दिन बालों में लगाएं। इससे इसका रंग काफी दिनों तक ज्यों का त्यों बना रहेगा।

एक दिन पहले अच्छे से धो लें बाल

मेहंदी लगाने के पहले जरूरी है कि आपके बाल में किसी तरह की तैलीय चीज मौजूद ना हो। ऐसा करने से प्रोडक्ट का असर काफी कम हो जाता है। कई लोग तो सिर में तेल लगाकर मेहंदी अप्लाई कर देते हैं। ऐसा ना करें। जिस दिन सिर में मेहंदी लगाना हो उससे एक दिन पहले सिर को शैंपू से साफ कर लें।

नींबू का इस्तेमाल न करें

अगर बालों में डैंड्रफ है तो नींबू का इस्तेमाल फायदेमंद होता है लेकिन अगर आप मेहंदी के पेस्ट में नींबू का रस मिला लें तो इससे बाल पर इसका असर कम हो सकता है। यही नहीं, बाल और भी ड्राई हो सकते हैं।

बच्चों को शारीरिक व मानसिक रूप से स्वस्थ रखने चुनें उनकी पसंदीदा एक्टिविटी

बच्चों के स्कूल की गर्मियों की छुट्टी शुरू होने वाली है। पूरे दिन घर पर रहने के कारण बच्चों का स्क्रीन टाइम बढ़ जाता है। मोबाइल फोन और टीवी के सामने ज्यादा समय बिताने से आंखों के स्वास्थ्य के अलावा चाइल्ड साइकोलॉजी पर भी बुरा प्रभाव पड़ता सकता है। ज्यादा समय तक टीवी के सामने बैठे रहने से बच्चों के लिए जरूरी फिजिकल एक्टिविटी भी बाधित होती है। ऐसे में गर्मी की छुट्टियों में बच्चों को शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ रखने के लिए आप उन्हें डांस, म्यूजिक और पेंटिंग जैसे पसंदीदा एक्टिविटी में डाल सकते हैं।

डांस : डांस करना लगभग हर बच्चे को पसंद होता है। अगर आपके बच्चे को भी झूमना पसंद है तो इस बार गर्मी की छुट्टियों में आप उसे किसी डांस क्लास में डाल सकते हैं। आज कल डांस सिर्फ एक पैशन ही नहीं बल्कि प्रोफेशन भी है। बच्चे को अगर डांस में इंटरेस्ट है तो किसी अच्छी डांस एकेडमी में जरूर डालें, इससे शरीर की भी अच्छी कसरत हो जाती है।

म्यूजिक : अगर आपके बच्चे को गाना गाने या किसी म्यूजिकल इंस्ट्रूमेंट में दिलचस्पी है तो आप उसे छुट्टियों के दौरान प्रैक्टिस करवा सकती हैं। आप बच्चे को गिटार, तबला या बांसुरी जैसे किसी भी अन्य म्यूजिकल इंस्ट्रूमेंट सीखने के लिए क्लास में भी डाल सकती हैं।

पेंटिंग

बच्चों को पेंटिंग और ड्रॉइंग भी खूब पसंद होता है। छुट्टी के दौरान बच्चा पूरे समय टीवी और मोबाइल में न लगा रहे इसीलिए आप उन्हें नए कलर्स और ड्राइंग बुक लाकर दें। पेंटिंग और ड्रॉइंग जैसे क्रिएटिव एक्टिविटी में शामिल होने से बच्चों का संपूर्ण विकास होगा।

स्विमिंग

गर्मी के समय में स्विमिंग से बेहतर कोई बच्चों के लिए कोई और फन एक्टिविटी नहीं हो सकती है। गर्मी से राहत मिलने के साथ-साथ स्विमिंग से उनकी कसरत भी हो जाएगी। इसके अलावा बच्चा सेल्फ डिफेंस के गुड़ भी सीख जाएगा।

कार्नर न्यूज

मिट्टी में मौजूद कुछ तत्व तंत्रिका तंत्र को शांत करने में मदद करते हैं

एसिडिटी दूर भगा देता है मिट्टी के घड़े का पानी मिलेंगे बड़े फायदे, फ्रिज के पानी को कह देंगे बाय

गर्मी के दिनों में बहुत से लोगों की शिकायत रहती है कि फ्रिज का पानी पीने के बावजूद प्यास नहीं बुझती है। वहीं दूसरी ओर, मिट्टी के घड़े का पानी पीते ही शरीर में एक अलग ही ठंडक घुल जाती है और प्यास पूरी तरह से बुझी महसूस होती है। गर्मी की शुरुआत होते ही लोगों को मिट्टी के घड़े याद आने लगते हैं। मिट्टी के घड़े का पानी न सिर्फ प्यास को पूरी तरह से बुझा देता है, बल्कि इसे पीने से शरीर को कई सेहत लाभ भी मिलते हैं। गर्मी के दिनों में फ्रिज के पानी के बजाय मिट्टी के घड़े का पानी पीना चाहिए। मिट्टी के घड़े का पानी लंबे वक्त तक प्यास बुझाने के साथ शरीर को बड़े फायदे भी देता है।

नेचुलर कूलिंग, मिनरल से भरपूर

मिट्टी के घड़े में पानी प्राकृतिक रूप से ठंडा रहता है, भले ही आप इसे फ्रिज में न रखें। मिट्टी की दीवारें गर्मी को धीरे-धीरे अवशोषित करती हैं, जिससे पानी ठंडा रहता है।

मिनरल से भरपूर: मिट्टी के घड़े में रखने से पानी में कई आवश्यक खनिज जैसे कैल्शियम, मैग्नीशियम, पोटेशियम और सोडियम घुल जाते हैं। ये खनिज शरीर के लिए महत्वपूर्ण होते हैं और कई स्वास्थ्य लाभ प्रदान करते हैं।

त्वचा के लिए फायदेमंद

मिट्टी के घड़े का पानी त्वचा के लिए फायदेमंद होता है। इसमें मौजूद खनिज त्वचा को हाइड्रेटेड और पोषित रखने में मदद करते हैं। मिट्टी के घड़े का पानी बालों के लिए भी फायदेमंद होता है। यह बालों को मजबूत और चमकदार बनाने में मदद करता है।

एसिडिटी से राहत, पाचन में सुधार
मिट्टी के घड़े का पानी एसिडिटी से राहत दिलाने में मदद करता है। मिट्टी की क्षारीय प्रकृति पेट में अम्ल को बेअसर करने में मदद करती है, जिससे अपच और **heartburn** जैसी समस्याएं कम होती हैं।

तनाव कर रोग बढ़ाता है प्रतिरोधक क्षमता

मिट्टी के घड़े का पानी पीने से तनाव कम होता है। मिट्टी में मौजूद कुछ तत्व तंत्रिका तंत्र को शांत करने में मदद करते हैं, जिससे तनाव और चिंता कम होती है। मिट्टी के घड़े का पानी रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने में मदद करता है। इसमें मौजूद खनिज और तत्व शरीर को संक्रमण से लड़ने में मदद करते हैं।

वजन घटाने में सहायक: मिट्टी के घड़े का पानी वजन घटाने में सहायक हो सकता है। यह शरीर को हाइड्रेटेड रखने में मदद करता है और चयापचय को बढ़ावा देता है, जिससे वजन कम करने में मदद मिल सकती है।

फिल्म इवेंट

बॉलीवुड

डेब्यू फिल्म से बनी स्टार, 1 गलती से कॅरियर बर्बाद, अब डांस सिखाकर कर रहीं गुजारा

मुंबई। साल 1991 में सलमान खान की सुपरहिट फिल्म सनम बेवफा में नजर आ चुकीं वो खूबसूरत एक्ट्रेस नवोदिता शर्मा ने अपना स्क्रीन नेम को ही अपनी रियल नेम बना लिया था। पहली ही फिल्म से उन्हें ऐसी सफलता मिली जो सबके नसीब में नहीं होती लेकिन इस फिल्म के बाद दोबारा वह इस तरह कामयाबी नहीं पा सकीं। फिलहाल वे अमेरिका के ऑरलैंडो में डांस सिखाकर गुजारा कर रही हैं। हम बात कर रहे हैं, दिल्ली की रहने वाली नवोदिता शर्मा जिन्होंने सलमान खान की फिल्म से डेब्यू किया था। 33 साल पहले अपना नाम चांदनी रख लिया। पढ़ाई के दौरान उन्हें एक ऐड के जरिए मालूम हुआ कि डायरेक्टर सावन कुमार जब अपनी नई फिल्म के लिए हीरोइन ढूंढ रहे हैं, यहीं से इनकी किस्मत चमकी थी। चांदनी उर्फ नवोदिता खूबसूरत एक्ट्रेस हैं जिन्हें एक विज्ञापन के जरिए इस फिल्म में काम मिला था। बहुत कम समय ये एक्टिंग की दुनिया में रही और फिर अचानक इंडस्ट्री से गायब हो गईं। अपनी इस डेब्यू फिल्म के बाद लगभग 5 साल के अपने एक्टिंग करियर में चांदनी ने करीब 10 फिल्मों में काम किया लेकिन डेब्यू जैसा स्टारडम उन्हें दोबारा नहीं मिला।

टॉलीवुड

'पुष्पा 2' से पहले रिलीज हो रही गैंग ऑफ गोदावरी, भूल जाएंगे अल्लु की फिल्म

मुंबई। पिछले कई बरसों से साउथ सिनेमा बॉलीवुड से बेहतरीन और दमदार कंटेंट दे रहा है। गैंगस्टर ड्रामा में 'केजीएफ', 'पुष्पा' और 'सालार' जैसी फिल्में ब्लॉकबस्टर साबित हुई हैं। 'पुष्पा 2' अल्लु अर्जुन और रश्मिका मंदाना स्टारर यह फिल्म अगस्त में रिलीज होगी।इन सबके बीच, 'पुष्पा' जैसी या उससे बड़ी गैंगस्टर फिल्म का ट्रेलर का लॉन्च हो चुका है। इस फिल्म की तुलना अल्लु अर्जुन की 'पुष्पा' से हो रही है. यह एक गैंगस्टर ड्रामा है। फिल्म का नाम 'गैंग ऑफ गोदावरी' है। फिल्म का ट्रेलर देखकर आपको 'पुष्पा' के कई सींस याद आ जाएंगे। फिल्म की कहानी एक गांव के लड़के के गैंगस्टर जर्नी को दिखाया गया है। वह पुलिस और नेताओं से पंगा लेता है। 'गैंग ऑफ गोदावरी' में श्रीवल्ली-पुष्पा की तरह रोमांटिक जोड़ी देखने को मिल रही है। फिल्म में विश्वाक सेन ने लीड रोल निभाया है। फिल्म पहले 17 मई को बॉक्स ऑफिस पर रिलीज होने वाली थी, लेकिन अब यह 31 मई को रिलीज होगी। फिल्म में विश्वाक सेन के अलावा, अंजलि, राव रमेश, नेहा शेट्टी, साई कुमार, गोपराजू रमाना और 'बिग बॉस 17' वाली आयशा खान समेत कई प्रतिभाशाली कलाकार हैं। विश्वाक सेन की पिछली फिल्म 'गामी' को बॉक्स ऑफिस पर काफी सराहा गया। इस फिल्म की सिनेमैटोग्राफी और डायरेक्शन इंटरनेशनल लेवेल के रहे। ओटीटी पर रिलीज होने के बाद इसे पहले से ज्यादा पॉपुलैरिटी मिली। यह ओटीटी प्लेटफॉर्म पर जी5 स्ट्रीम हुई है।

भोजपुरी

अक्षरा सिंह का नया भोजपुरी सॉन्ग 'अदा कातिलाना' रिलीज

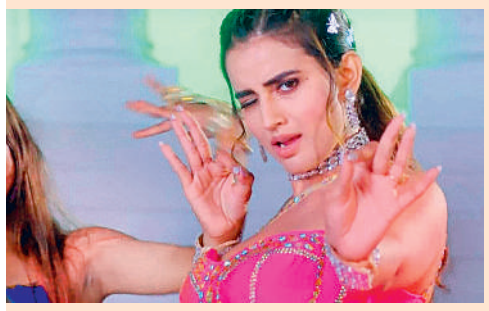

भोजपुरी क्वीन अक्षरा सिंह न सिर्फ अपनी खूबसूरती बल्कि अपनी आवाज और एक्टिंग के दम पर फैंस के दिलों पर राज करती हैं। अक्षरा ने अब तक के करियर में कई सुपरहिट भोजपुरी गानें दिए हैं। अक्षरा ने भोजपुरी इंडस्ट्री के साथ-साथ बॉलीवुड में भी अपनी पहचान बनाई है। इसी बीच अब अक्षरा का एक नया गाना रिलीज हुआ है। इस गाने का टाइटल 'अदा कातिलाना' है। इस गाने ने रिलीज होते ही धमाल मचा दिया है। अक्षरा सिंह के नए गाने 'अदा कातिलाना' को किसी और ने नहीं, बल्कि बॉलीवुड के जाने माने कोरियोग्राफर मुदस्सर खान ने कोरियोग्राफ किया है। मुदस्सर बॉलीवुड के कई बड़े सुपरस्टार्स को कोरियोग्राफ कर चुके हैं। 'अदा कातिलाना' गाने में अक्षरा की अदाएं देखते ही बन रही है। पीले रंग की ड्रेस में एक्ट्रेस की खूबसूरती देख हर कोई दीवाना हो रहा है। अक्षरा सिंह का यह गाना टी- सीरीज हमार भोजपुरी यूट्यूब चैनल पर रिलीज हुआ है। देखते ही देखते गाना तेजी से वायरल होने लगा है। अक्षरा सिंह ने अपने इस गाने 'अदा कातिलाना' को लेकर कहा कि ये गाना लोगों को झूमने पर मजबूर कर देगा। इस गाने में आपको न ही अश्लीलता है और न फूहड़पन देखने को मिलेगा। ये एक फुल एंटरटेनिंग सॉन्ग है। उम्मीद है दर्शकों को मेरा ये गाना पसंद आए। 'अदा कातिलाना' गाने के गीतकार आजाद सिंह और संगीतकार विशाल सिंह हैं। गाने के निर्देशक और कोरियोग्राफर मुदस्सर खान हैं।

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री जेनेलिया डिसूजा सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और अक्सर लाइमलाइट में बनी रहती हैं। अब एक बार फिर जेनेलिया अपने लुक को लेकर चर्चा में हैं। दरअसल, जेनेलिया हाल ही में एले सस्टेनेबिलिटी अवॉर्ड्स में पहुंची थीं। यहां उन्होंने अपने जबरदस्त स्टाइल और क्यूट स्माइल से सबका दिल जीत लिया। इवेंट के लिए जेनेलिया ने खुद को स्टाइल करने के लिए अपने पुराने कपड़ों का इस्तेमाल किया। उन्होंने अपने पुराने कपड़ों का इस्तेमाल करते हुए खास आउटफिट तैयार करवाया था जिस कारण वे काफी कॉन्फिडेंट भी लग रही थीं। खासकर एक्ट्रेस के कस्टम मेड जैकेट, स्कर्ट सेट ने सबका ध्यान अपनी तरफ खींच लिया।

घरेलू नुस्खे दूर करेंगे कोहनी का कालापन, स्किन में आएगी चमक

कोहनी और घुटने में कालापन आना बहुत से लोगों की समस्या होती है। स्किन की ये प्रॉब्लम कई कारणों से हो सकती है। अगर बॉडी की ठीक से क्लीनिंग न की जाए तो भी कोहनी और घुटनों में कालापन आने लगता है। कोहनी का कालापन कई बार लोगों के बीच शर्मिंदगी का कारण भी बन जाता है। आप अगर कोहनी का कालापन दूर करने के तरीके अपनाकर हार चुके हैं तो कुछ घरेलू नुस्खे आपको इस परेशानी से निजात दिला सकते हैं।

कोहनी और घुटने का कालापन कई वजह से हो सकता है। इसे दूर करने में कुछ घरेलू नुस्खे असरदार साबित होते हैं। इन होम रेमेडीज़ को आजमाने से कुछ दिनों में फर्क दिखाई दे सकता है। इन घरेलू नुस्खों से न सिर्फ स्किन का कालापन दूर होता है, बल्किन त्वचा पर चमक भी आती है। सिर्फ 5 रुपये के खर्च में ही इन घरेलू नुस्खों को आज़माया जा सकता है। आइए जानते हैं इन होम रेमेडीज़ के बारे में।

बेकिंग सोडा व नारियल तेल

कोहनी व घुटनों के काले दाग को दूर करने 1 चम्मच बेकिंग सोडा में 2 चम्मच दूध या दही मिलाकर पेस्ट बना लें। इसे कोहनी पर लगाकर 10-15 मिनट रखें, फिर धो लें। हफ्ते में 2-3 बार करें। नारियल तेलः रोजाना सोने से पहले कोहनी पर नारियल तेल लगाकर मालिश करें।

नींबू-आलू-हल्दी का करें प्रयोग

आधे नींबू को काटकर, उससे कोहनी रगड़ें। 10 मिनट बाद धो लें। दिन में 2 बार करें। इसी प्रकार आलू काटकर, उससे रस निकाल लें। रस को कोहनी पर लगाकर 15 मिनट रखें, फिर धो लें। रोजाना करें। घरेलू नुस्खों में 1 चम्मच हल्दी पाउडर में 1 चम्मच शहद या दूध मिलाकर पेस्ट बना लें। इसे कोहनी पर लगाकर 20 मिनट रखें, फिर धो लें। हफ्ते में 2-3 बार करें।

इन बातों का रखें ख्याल

रोजाना सनस्क्रीन लगाएं। कठोर सतहों पर घुटने, कोहनी टेकने से बचें। नियमित रूप से स्क्रब करें। पानी भरपूर मात्रा में पिएं। अगर कालापन ज्यादा है, तो डॉक्टर से सलाह लें। इन उपायों को करने से धीरे-धीरे कोहनी का कालापन कम होगा और त्वचा मुलायम और गोरी हो जाएगी।

समर कैंप व फंक्शन में जाने खूबसूरत लुक तो कैरी करें साड़ी, अनारकली सूट

फैशन

इन दिनों गर्मी अपनी चरम पर है। अनेक जगह सामाजिक कार्यक्रम व समर कैंप वगैरह आयोजित हो रहे हैं। ऐसे में अगर आपको किसी फंक्शन में शामिल होना हो तो ऐसी ट्रेडिशनल ड्रेसेस ही सेलेक्ट करना चाहेंगी जो पहनने में आसान हों। साथ ही जिनमें आपको कलर और फैब्रिक की अच्छी रेंज भी मिल जाए। इन दोनों के लिहाज से किस तरह के ट्रेडिशनल ड्रेसेज़ आप सेलेक्ट कर सकती हैं, यहां हम डिटेल में बता रहे हैं। अब इनमें से अपनी पसंद की ड्रेस सेलेक्ट करिए और पाइए अट्रैक्टिव-इंप्रेसिव लुक।

यलो कलर साड़ी : सोबर कलर्स वाली ड्रेसेस में यलो यानि पीला रंग परफेक्ट माना जाता है। इसलिए आप चाहें तो यलो कलर की साड़ी पहन सकती हैं। आजकल यलो कलर में भी बहुत से शेड्स की ड्रेसेस मिलने लगी हैं। यलो कलर ज्यादा ब्राइट न होकर आपको सोबर और ब्यूटीफुल लुक देता है। आप चाहें तो यलो कलर की साड़ी पहनकर इन फेस्टिवल्स में स्पेशल लुक कैरी कर सकती हैं।

ग्रीन कलर लहंगा : अगर आपको कुछ ट्रेडिशनल पहनना है तो आप ग्रीन कलर का लहंगा भी ट्राई कर सकती हैं। आजकल ट्रेडिशनल ड्रेसेस में ग्रीन कलर काफी इन है। इसमें भी पेस्टल ग्रीन को अधिकतर महिलाएं काफी पसंद करती हैं। इस कलर के लहंगे पहनने पर आपका लुक और भी अधिक अट्रैक्टिव नजर आएगा। ग्रीन कलर लहंगों की बात करें तो इनमे प्रिंटेड लहंगे काफी पसंद किए जा रहे हैं, क्योंकि ये देखने में बेहद सुंदर लगते हैं। इनमें कॉटन फैब्रिक मिल जाएगा, जिससे आपको समर सीजन में इन्हें पहनने में कोई दिक्कत नहीं आएगी।

रेड कलर्ड धोती सलवार-सूट : आजकल धोती सलवार सूट का काफी ट्रेंड है। इनमें भी आप अगर लाल रंग का सलवार-सूट आउटफिट पहनते हैं तो ये और भी सुंदर नजर आते हैं। इन्हें आप कंट्रास्ट में भी पहन सकती हैं। जैसे, कुर्ता रेड कलर में और धोती ग्रीन या यलो कलर में। इस तरह के कंट्रास्ट भी इन सूट्स में काफी चलते हैं। साथ ही इनमें आप फैब्रिक अपनी पसंद का ले सकती हैं। चाहे आप कॉटन में इन्हें पहनें या फिर जॉर्जट में, इनका लुक सभी में अच्छा लगता है।

गोल्डन लहंगे में छाईं सान्या मल्होत्रा, पार्टी लुक में छिपे हैं कई फैशन टिप्स

महिलाएं एक्ट्रेस के स्टाइल और लुक से कुछ फैशन टिप्स अपना सकती हैं। बॉलीवुड एक्ट्रेस सान्या मल्होत्रा ने इंस्टाग्राम पर गोल्डन कलर के लहंगे में कई तस्वीरें शेयर की हैं, जो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं. लोग उनकी मासूम अदाओं के दीवाने हो रहे हैं। सान्या मल्होत्रा इंस्टाग्राम पर शेयर की गई तस्वीरों में गोल्डन ब्लाउज, मैचिंग लहंगा और दुपट्टे में शानदार पोज देती नजर आ रही हैं। एक्ट्रेस ने मेकअप के लिए न्यूड लिप्स, गोल्डन आईशैडो, विंग्ड आईलाइनर, हाइलाइटेड चिक्स और मैरून बिंदी को चुना।

हेयरस्टाइल भी कुछ रही अलग ढंग की

सान्या ने अपने घुंघराले बालों का जूड़ा बनाया हुआ है। सान्या ने अपने लुक को गोल्डन एथनिक चोकर नेकलेस, मैचिंग इयररिंग्स और एक रिंग के साथ पूरा किया। एक्ट्रेस ने पोस्ट के साथ दिए कैप्शन में लिखा, 'थ्रोबैक थर्सडे।' इसके बाद, उन्होंने फुल मून फेस इमोजी ड्रॉप की। महिलाएं एक्ट्रेस के स्टाइल और लुक से कुछ फैशन टिप्स अपना सकती हैं।।

लाइट मेकअप से दें चेहरे को नेचुरल लुक ये टिप्स अपनाएं, दिखेंगी बेहद खूबसूरत

आजकल हर किसी को लाइट मेकअप करना पसंद होता है और सिंपल मेकअप की आपके नेचुरल त्वचा में निखार लाता है। लेकिनहर किसी का मेकअप करने का तरीका बिल्कुल अलग होता है। ऐसे में आज हम आपको ब्यूटीशियन एक्सपर्ट के मेकअप टिप्स बताने जा रहे है। जिसे आप भी ट्राई कर सकती हैं। आजकल हर किसी को लाइट मेकअप करना पसंद होता है। ऐसे में हम आपको कुछ टिप्स बताने जा रहे हैं। जिसे फॉलो करके आप अपने लुक में चार चांद लगा सकती हैं।

फेस क्लीनिंगः सबसे पहले फेस क्लीनिंग जरूरी है। चेहरे पर चमक लाने के लिए मेकअप करने के दो घंटे पहले एलोवेरा जैल लगा लें। इससे जब आप मेकअप करेंगी तो

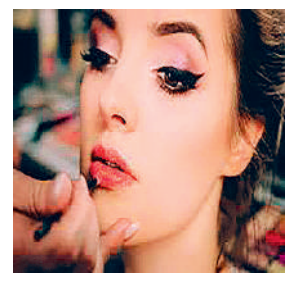

आपके मेकअप पर एक अलग सी चमक नजर आएगी। इसके बाद अपना चेहरा फेस वॉश से धो लें और फिर एक अच्छे मॉयश्चराइजर को फेस पर इस्तेमाल करें। इससे आपके चेहरे की ड्राइनेस खत्म होगी और फेस स्किन को नमी मिलेगी। इस तरह आपका चेहरा मेकअप के लिए तैयार हो जाएगा।

प्राइमरः किसी भी प्रकार का मेकअप करने से पहले जरूरी होता है कि मॉयश्चराइजेशन के बाद प्राइमर लगाएं, जिससे चेहरे की त्वचा एक सार नजर आती है। इस तरह आपका बेस तैयार हो जाएगा। ऐसा करने से आपका मेकअप ज्यादा देर तक टिका रहेगा। प्राइमर लगाने का एक और फायदा होता है कि इससे चेहरे पर पड़े दाग-धब्बे नजर नहीं आते हैं।

फाउंडेशनः जब आप प्राइमर को पूरे चेहरे पर लगा लेती हैं तो उसके बाद नंबर आता है फाउंडेशन लगाने का। फाउंडेशन को सही तरीके से लगाना जरूरी है, नहीं तो जगह-जगह पर पैच नजर आने लगता है। इसके लिए आप फाउंडेशन में कोई फेस क्रीम मिला लें, जिससे फाउंडेशन पूरे चेहरे पर अच्छी तरह से मिक्स होकर लग चाएगा।

कार्नर न्यूज

सस्ती हाई हील्स खड़ी कर सकी हैं परेशानियां

हाईहील्स खरीदें तो अच्छी ब्रांड की, पैरों में नहीं होगी तकलीफ, दिखेंगी कॉन्फिडेंट

अगर आप फैशन पसंद करती हैं और तरह तरह के फुटवेयर का शौक भी रखती हैं तो आपके वार्डरोब में भी हाई हील्स जरूर होगा. ये दिखने में क्लासी होते हैं और आपके लुक्स को मिनटों में ग्लैमरस बनाने का काम करते हैं। हालांकि हील्स की शौकीन लड़कियों के मन में यह सवाल हमेशा रहता है कि क्या ऐसा कोई तरीका है जिससे हील्स पहनने में कंफर्टेबल हो और दर्द से बचा जा सके? तो इसका जवाब है हां। हम आज आपके लिए कुछ ऐसे सिंपल लेकिन अमेजिंग ट्रिक्स लेकर आए हैं जिसकी मदद से आप घंटों हील्स पहनकर घूम सकती हैं और वो भी बिना परेशान हुए।

हाई हील्स पहनते वक्त रखें इन बातों का ख्याल

हमेशा अपने साइज के ही जूते खरीदें। अगर आपको अधिक देर तक हील्स पहनना पसंद है तो बेहतर होगा कि एक नंबर साइज बड़ा शूज लें। इस तरह ये आपको काटेंगे नहीं और आप इनमें कुशन डालकर इन्हें कंफर्टेबल बना पाएंगी। जब भी हील्स खरीदें अच्छी ब्रांड के ही खरीदें। अगर आप पैसे बचाने के चक्कर में सस्ती हील्स लेंगी तो ये आपकी स्किन पर रैश बना सकते हैं और पैर की स्किन पर घाव हो सकता है। अगर आप नई हील्स ली हैं तो इसे घर पर कुछ घंटे पहनकर जरूर रहें। अगर आप इन्हें अधिक कंफर्टेबल बनाना चाहती हैं तो मोजे के साथ इसे पहनें और दो दिन तक इसे घर पर पहनकर खूब चलें। इस तरह ये कंफर्टेबल हो जाएंगे।

इन टिप्स से भी करें परेशानियों को दूर

नए हील्स को इवेंट पर ट्राई करने से बेहतर होगा कि आप एक जापानी ट्रिक फॉलो करें। इसके लिए आप अपने पैरों को गीला कर लें और फिर गीले पैरों में कुछ घंटों के लिए हील्स पहनकर रहें। इस तरह ये ढीले हो जाएंगे।

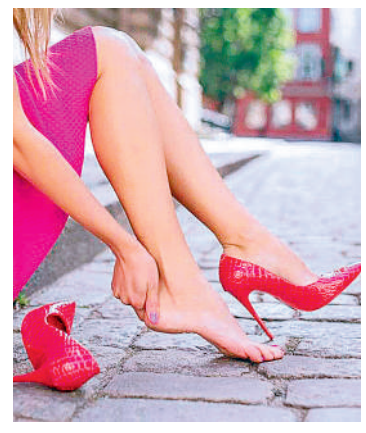

पेंसिल की बजाय ब्लॉक हील्स, हील्स ग्रिप्स अधिक कंफर्टेबल

अगर आप पेंसिल हील्स की बजाय ब्लॉक हील्स पहनें तो आप अधिक कंफर्टेबल महसूस करेंगी। ये हील्स कंफर्टेबल होते हैं और अंगूठों पर ज्यादा दबाव नहीं बनता है। आप बाजार से हील ग्रिप्स या हील्स पैड्स खरीद सकती हैं। ये जेली के बने कुशन होते हैं जिन्हें हील्स के पीछे चिपकाया जा सकता है। आप चाहें तो कटने वाली जगहों पर पहले से ही हैंडीप्लास्ट लगाकर स्किन को गार्ड कर सकती हैं।